छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 184 ■ अम्बिकापुर, गुरूवार 16 जुलाई 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

वासेपुर का एक और गैंगस्टर शाकिब अफजल भी छिपा था अंबिकापुर में

धनबाद पुलिस ने कोतवाली में अन्य सहयोगियों के साथ दर्ज कराया एफआईआर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। झारखंड, वासेपुर के कुख्यात गैंगस्टर शब्बीर आलम और उसके सहयोगी के भागने में मदद करने वालों के खिलाफ कोतवाली थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया है। झारखंड पुलिस बुधवार को अंबिकापुर पहुंची और कोतवाली थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई। जांच में सामने आया है कि, बस संचालक बैदुल ने शब्बीर और उसके सहयोगी को शरण दी थी। वासेपुर का एक अन्य गैंगस्टर शाकिब अफजल पिछले 13 साल से अंबिकापुर में छिपकर रह रहा था, उसके खिलाफ साल 2004 में धनबाद के डॉन फहीम खान के कार्यालय पर एके 47 समेत घातक हथियारों से हमला करने, हत्या और लूट जैसे कई मामले दर्ज हैं। झारखंड में घर कुर्क होने के बाद शाकिब अफजल पहचान बदलकर अंबिकापुर में रह रहा था।

शब्बीर आलम

शाकिब अफजल

बैदुल खान

सीसीटीव्ही कैमरों का फुटेज हटाया

झारखंड पुलिस ने मोस्ट वांटेड गैंगस्टर शब्बीर आलम के फरार होने के बाद उसकी तलाश तेज कर दी है। बुधवार को झारखंड पुलिस की टीम अंबिकापुर पहुंची। टीम ने शब्बीर और उसके साथी को फरार होने में मदद करने वालों के खिलाफ कोतवाली थाने में शिकायत दी, इसके आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। जिस मोहल्ले से शब्बीर आलम फरार हुआ, वहां उसके मददगारों ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके आसपास लगे 17 सीसीटीव्ही कैमरों का फुटेज हटवा दिया है। बताया जा रहा है कि स्थानीय पुलिस के मौके पर पहुंचने और जांच शुरू होने से पहले ही डिजिटल सबूत मिटा दिए गए थे।

एक और गैंगस्टर अंबिकापुर में लिया शरण

साल 2004 में धनबाद के डॉन फहीम खान के दफ्तर पर एके 47 और पिस्टलों से हुए हमले में नामजद गैंगस्टर शाकिब अफजल भी कई सालों तक अंबिकापुर में छिपकर रहा। मामले में शब्बीर आलम और उसके भाइयों पर जेल में रहकर हमला कराने का भी आरोप लगा था। एफआईआर में नाम आने के बाद शाकिब अफजल झारखंड से फरार हो गया था। घर कुर्क होने के बाद वह अंबिकापुर पहुंचा, यहां उसने अपनी पहचान बदल दिया। इसके बाद शहर से लगे लालमाटी इलाके में जंगल किनारे आलीशान मकान बनाकर रहने लगा।

बता दें कि, करीब 15 दिन पहले झारखंड पुलिस गैंगस्टर शब्बीर आलम को गिरफ्तार करने अंबिकापुर पहुंची थी। पुलिस जैसे ही उसे पकड़ने लगी, तभी शब्बीर का बेटा और उसके कुछ साथी वहां पहुंच गये, उन्होंने पुलिस से बहस शुरू कर दी। इसी दौरान मौका देखकर शब्बीर आलम और उसका साथी जावेद फरार हो गये। शब्बीर को शरण देने के आरोप में राजहंस बस के संचालक बैदुल खान के खिलाफ कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज किया गया है। मामला दर्ज होने के बाद से बैदुल भी फरार है। आरोप यह भी है कि, गैंगस्टरों को शरण देने वाले बैदुल खान ने इनके प्रभाव का फायदा उठाकर करोड़ों रुपये का कारोबार खड़ा किया। पहले वह राजहंस बस कंपनी में पार्टनर था, बाद में उसने कंपनी की कुछ बसें खरीद लीं। इसके अलावा एईसीएल में एम्बुलेंस और अन्य चारपहिया वाहन अटैच करके भी बड़ा कारोबार किया।

पहाड़ी कोरवा की जमीन पर बनाया मकान

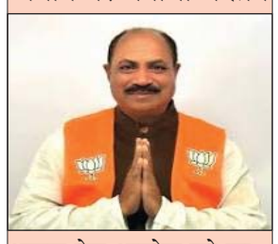

भाजपा नेता आलोक दुबे का आरोप है कि धनबाद का फरार आरोपी शाकिब अफजल अंबिकापुर के लालमाटी इलाके में पहाड़ी कोरवा की जमीन पर कब्जा कर मकान बनाकर रह रहा है। इसे संरक्षण देने वालों की भी जांच होनी चाहिए। झारखंड के कुख्यात अपराधी सालों तक अंबिकापुर में कैसे छिपे रहे, यह गंभीर जांच का विषय है।

इन कारोबारों से गैंगस्टर का रहा नाता

जानकारी के मुताबिक, शाकिब अंबिकापुर में एक होटल भी चलाता था। इसके अलावा वह जमीन के कारोबार से भी जुड़ा था। शाकिब अफजल उर्फ नेता, बस संचालक बैदुल खान का रिश्तेदार भी बताया जा रहा है। झारखंड पुलिस की अंबिकापुर में कार्रवाई के बाद शाकिब अफजल भी फरार हो गया। आरोप है कि शाकिब, शब्बीर आलम और उसके साथियों को अंबिकापुर में बैदुल खान ने ही शरण दी थी। यह भी बताया जा रहा है कि बैदुल के बस और एंबुलेंस के कारोबार में गैंगस्टरों की भी हिस्सेदारी थी। स्थानीय लोगों का दावा है कि बैदुल के फरार होने के बाद अब इस पूरे कारोबार की जिम्मेदारी शाकिब अफजल संभाल रहा है।

> पुलिस शब्बीर आलम की तलाश कर रही है। जहां-जहां से सूचना मिल रही है, वहां पुलिस की टीम भेजी जा रही है। वासेपुर मामले में कई आरोपी हैं, इनमें कुछ अभी भी फरार हैं। सभी का नाम फिलहाल सार्वजनिक नहीं किया जा सकता है। गैंगस्टर को फरार होने में मदद करने वालों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराने पुलिस टीम अंबिकापुर गई है।
>
> **प्रभात कुमार**
> **एसएसपी धनबाद**

> झारखंड पुलिस की टीम अंबिकापुर पहुंची है। फिलहाल मामले में कार्रवाई चल रही है। जांच और कार्रवाई पूरी होने के बाद ही पूरी जानकारी साझा की जाएगी।
>
> **अमोलक सिंह ढिल्लो**
> **एएसपी सरगुजा**

भगोड़ा बंदी अंबिकापुर में चोरी की बाइक लेकर हथियार के साथ घूमते पकड़ाया

रामानुजगंज जेल से न्यायालय लाते वक्त यात्री बस की खिड़की से कूदकर भागा था

- निलम्बित प्रधान आरक्षक और आरक्षक ने पकड़ा, हत्या की कोशिश का है आरोपी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बलरामपुर जिला के रामानुजगंज जेल से पेशी के लिये यात्री बस से लाते समय बस की खिड़की से कूदकर भागा हत्या की कोशिश मामले में, धारा 307 का बंदी अंबिकापुर शहर के सत्तीपारा में चोरी की मोटरसायकल में धारदार हथियार के साथ घूमते पकड़ में आया। मामले में निलम्बित हुये जिले के पुलिस लाइन में पदस्थ प्रधान आरक्षक और आरक्षक करीब एक सप्ताह से बंदी के खोजबीन में लगे थे। जानकारी के मुताबिक, हत्या का प्रयास करने मामले में विचाराधीन बंदी विकास दास पिता मनोज दास को अंबिका बस से बीते 6 जुलाई को रामानुजगंज जेल से पेशी के लिये न्यायालय लेकर प्रधान आरक्षक रामकुमार और आरक्षक प्रमोद टोप्पो लेकर आ रहे थे। चलगली मोड़ में बस की रफ्तार कम हुई और बंदी मौका देखकर बस की खिड़की से कूदकर आसानी से फरार हो गया था। काफी खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चला।

दोनों पुलिस कर्मियों को किया गया था निलंबित

वरिष्ठ अधिकारियों को प्रधान आरक्षक ने न्यायालय ले जाते वक्त यात्री बस की खिड़की से बंदी के भागने सूचना दी थी। इसके बाद फरार बंदी के खोजबीन में पुलिस जुटी, लेकिन उसका पता नहीं चल रहा था। घटना प्रकाश में आने के बाद अगले दिन 7 जुलाई को प्रधान आरक्षक और आरक्षक की लापरवाही मानते हुये दोनों को निलम्बित करने की कार्रवाई की गई थी। बंदी के भागने और हुई विभागीय कार्रवाई के बीच दोनों निरंतर इसे तलाश रहे थे।

भागने की कोशिश विफल, दौड़ाकर पकड़ा

मंगलवार को पूरी रात शहर का चप्पा-चप्पा छानने के बाद बुधवार को दोपहर करीब एक बजे फरार बंदी विकास दास अंबिकापुर के सत्तीपारा मोहल्ले में मोटरसायकल में घूमते मिला। भगोड़े को पकड़ने ये मोटरसायकल के सामने आ गये, लेकिन वह मोटरसायकल गिराकर भागने लगा। इसके बाद भी पुलिस कर्मियों ने हार नहीं मानी और धारदार हथियार पास में रहने के बावजूद दौड़ाकर उसे अपने कब्जे में ले लिया, और कोतवाली थाना में इसकी जानकारी देने के लिये बलरामपुर जिले के प्रधान आरक्षक और आरक्षक पहुंचे थे।

गांधीनगर थाना क्षेत्र से चोरी किया मोटरसायकल

पूछताछ में सामने आया कि, जिस मोटरसायकल में वह चाकूनुमा हथियार लेकर दिनदहाड़े घूम रहा था, उसे अंबिकापुर के गांधीनगर थाना क्षेत्र से चोरी किया था। अंबिकापुर में वह कहां ठिकाना बनाकर रह रहा था, यह अस्पष्ट है। पास में मिले हथियार से इतना तो स्पष्ट है कि, वह किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। भगोड़े बंदी के हाथ लगने से जहां एक ओर निलम्बित पुलिस कर्मी राहत महसूस कर रहे हैं, वहीं फरार अवधि में इसके द्वारा किसी प्रकार की वारदात को तो अंजाम नहीं दिया गया, इसकी तहकीकात भी चल रही है।

वन अधिकार पत्र में सील-मुद्रा के साथ कलेक्टर सहित अन्य अफसरों के हस्ताक्षर में मिली भिन्नता

कलेक्टर के आदेश पर कूटरचित वन अधिकार पत्र के दो मामलों में अपराध दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोतवाली थाना पुलिस ने कलेक्टर न्यायालय के आदेश पर कूटरचित वन अधिकार पत्र के दो मामले में आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज किया है। जांच के दौरान कथित रूप से कार्यालय अधीक्षक, भू-अभिलेख से जारी वन अधिकार पत्र में प्रथम दृष्टया सील, मुद्रा के अलावा कलेक्टर, सहायक आयुक्त, वनमण्डलाधिकारी के हस्ताक्षर में भिन्नता पाई गई थी। मामले की जांच में सामने आया था कि, हितग्राहियों को वन अधिकार मान्यता पत्र का वितरण कार्यालय अधीक्षक, भू-अभिलेख से जारी नहीं किया गया है। कलेक्टर ने अपने आदेश में कूटरचित दोनों वन अधिकार पत्र रा.प्र.क्र. 21/121 (5) 2007-08 को निरस्त करते हुये ग्राम गंझाडांड़ तहसील लुण्ड्रा स्थित भूमि खसरा कमांक 80/13 रकबा 1.800 हेक्टेयर भूमि एवं खसरा कमांक 80/13 रकबा 1.800 हेक्टेयर भूमि को पूर्ववत शासकीय मद में दर्ज करने का आदेश दिया है। बता दें कि, न्यायालय, कार्यालय कलेक्टर में जगत रानी पति अशोक कुजूर व बिन्यामिन कुजूर पिता अशोक कुजूर निवासी ग्राम गंझाडांड़ विकासखण्ड लुण्ड्रा द्वारा तहसील लुण्ड्रा अंतर्गत स्थित शासकीय भूमि खसरा कमांक 80/1 रकबा 19.641 हे. भूमि में से रकबा 0.405 हे. भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने और फर्जी पट्टा बनवा लेने का मामला सामने आया था। बताया गया था कि उक्त भू-खण्ड पशुओं के चरने की जगह है एवं आरक्षित है। इसमें खेलने के लिये मैदान का निर्माण या शासकीय भवन बनाने की मंशा ग्रामीणों की थी। मामला सामने आने के बाद प्रकरण संस्थित करके कथित वन अधिकार पत्र प्राप्त करने वालों को विधिवत सुनवाई का अवसर प्रदान किया गया। जांच के बाद अनुविभागीय अधिकारी (रा.) धौरपुर द्वारा जांच प्रतिवेदन में बतलाया गया कि ग्राम गंझाडांड़ तहसील लुण्ड्रा में हितग्राहियों को प्राप्त वन अधिकार मान्यता पत्र में अंकित रा.प्र.क. 21/121(5) 2007-08 एक समान हैं।

अधीक्षक भू-अभिलेख के पंजी में उक्त रा.प्र.क्र. दर्ज नहीं

अधीक्षक भू-अभिलेख अंबिकापुर के दायरा पंजी में उक्त रा.प्र.क्र. दर्ज नहीं है, सील मुद्रा में भी भिन्नता है। ऐसे में कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख से उक्त वन अधिकार पत्र जारी नहीं किये गये हैं। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास अंबिकापुर द्वारा अपने प्रतिवेदन में भी उपरोक्तानुसार तथ्यों को बतलाया गया है। अनावेदक जांच के दौरान उपस्थित हुये लेकिन उनके द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। अनुविभागीय अधिकारी (रा.) धौरपुर, अधीक्षक, भू-अभिलेख सरगुजा, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास अंबिकापुर के जांच प्रतिवेदन के आधार पर दोनों प्रकरणों में अनावेदकों जगतरानी एवं बिन्यामिन कुजूर के विरूद्ध संबधित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने की अनुशंसा की गई थी।

कोतवाली पुलिस ने इन धाराओं के तहत मामला दर्ज

मामले में सरगुजा कलेक्टर के न्यायालय ने इन्हें जारी कूटरचित वन अधिकार पत्रों को निरस्त करते हुये संबंधित भूमि को पूर्ववत शासकीय मद में दर्ज करने का आदेश देने के साथ दोनों के विरूद्ध संबंधित पुलिस थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने अनुविभागीय अधिकारी (रा.) धौरपुर को निर्देशित किया गया था। आदेश का पालन करते हुये पालन प्रतिवेदन 07 दिवस के अंदर प्रस्तुत करने कहा गया है। कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध धारा 420, 467, 468, 471, 34 का मामला दर्ज किया है।

कलेक्टर ने रजिस्ट्री प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं शिकायतों की रोकथाम के लिए जारी किए निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा भूमि के पंजीयन (रजिस्ट्री) प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने एवं जनदर्शन कार्यक्रम में प्राप्त हो रही शिकायतों के निराकरण के उद्देश्य से महत्वपूर्ण आदेश जारी किया गया है।

जारी आदेश के अनुसार जिला स्तरीय जनदर्शन कार्यक्रम में कई बार भूमि के पंजीयन (रजिस्ट्री) के संबंध में विक्रेता अथवा क्रेता पक्ष से अनियमितता की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। इसे दृष्टिगत रखते हुए उप पंजीयक अंबिकापुर एवं सीतापुर को आदेशित किया गया है कि किसी भी भूमि स्वामी का विक्रय पंजीयन (रजिस्ट्री) के समय क्रेता, विक्रेता, गवाह, दस्तावेज लेखक तथा क्रेता-विक्रेता के वृद्ध होने पर उनके रिश्तेदार अथवा उनके अधिवक्ता की उपस्थिति में ही विक्रय पत्र का पंजीयन किया जाए। आदेश में यह भी निर्देशित किया गया है कि पंजीयन से पूर्व उप पंजीयक क्रेता, विक्रेता एवं उपस्थित गवाहों से विक्रय पत्र निष्पादन के संबंध में उनके समक्ष विक्रय की जा रही भूमि का खसरा, रकबा तथा भूमि का विक्रय मूल्य प्राप्त हुआ है अथवा नहीं, इसकी पूरी तरह तस्दीक करने के उपरांत ही विक्रय पत्र का पंजीयन करेंगे। आदेशानुसार यदि भूमि के पंजीयन दौरान उपरोक्त व्यक्तियों के अतिरिक्त कोई भी अन्य अनाधिकृत व्यक्ति पंजीयन कार्यालय अंबिकापुर अथवा सीतापुर में उपस्थित पाया जाता है तो उसके विरुद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी।

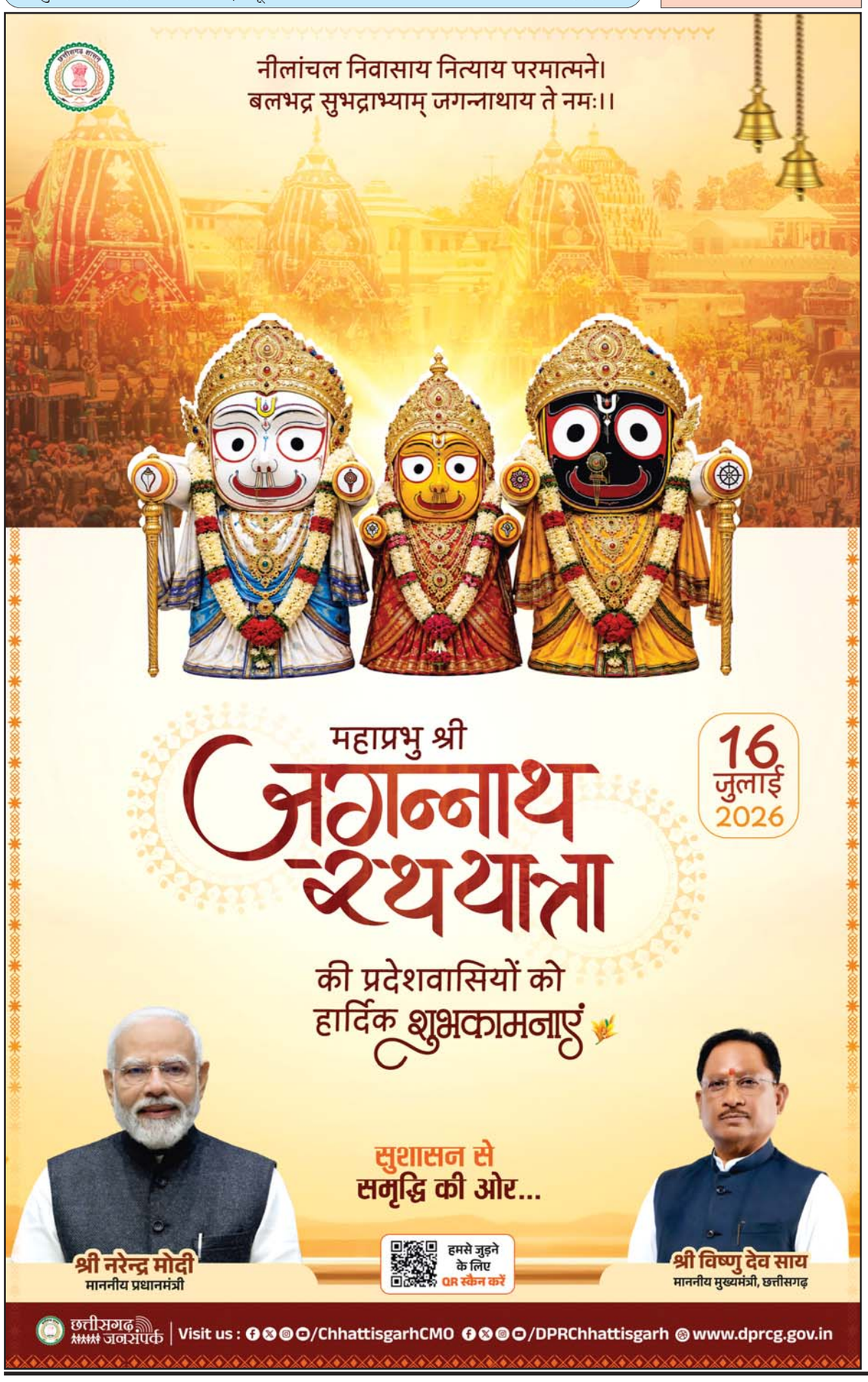

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026 ISO 9001: 2015 CERTIFIED

बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।

डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद

समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा

बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

आमजन की हर समस्या पर कलेक्टर की सीधी निगरानी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिले में मानसून के दौरान जलभराव की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में नगर पंचायत राजपुर के अग्रसेन भवन के समीप अज्ञात द्वारा नाली को बंद कर दिए जाने के कारण क्षेत्र में वर्षा का पानी जमा हो रहा था, जिससे स्थानीय नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

मामले की जानकारी मिलते ही नगर पंचायत राजपुर की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर नाली में बने अवरोध को हटाया और पूरी नाली की सफाई कर जल निकासी व्यवस्था को सुचारु किया। जिससे क्षेत्र को जलभराव की समस्या से राहत मिली।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशानुसार जिले में वर्षा ऋतु के दौरान नालियों, नालों एवं जल निकासी तंत्र की नियमित निगरानी और साफ-सफाई कराई जा रही है, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा जलभराव की स्थिति उत्पन्न न होने पाए।

नागरिकों से अपील की गई है कि नालियों में कचरा न डालें तथा जल निकासी व्यवस्था में किसी भी प्रकार का अवरोध उत्पन्न न करें ताकि प्रशासन और आमजन के सहयोग से स्वच्छ, सुरक्षित एवं जलभराव मुक्त नगर के निर्माण का लक्ष्य प्रभावी रूप से साकार किया जा सकता है।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में खाद की सतत उपलब्धता सुनिश्चित

★ किसानों को समय पर मिल रहा खाद
★ 37 सहकारी समितियों में 4 हजार टन से अधिक खाद उपलब्ध

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिले में किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है। कृषि विभाग द्वारा जिले की 37 सहकारी समितियों में विभिन्न प्रकार के उर्वरकों का पर्याप्त भण्डारण सुनिश्चित किया गया है, ताकि किसानों को खेती-किसानी के कार्यों में किसी प्रकार की परेशानी न हो। वर्तमान में जिले के सहकारी समितियों में कुल 15963.64 टन खाद का भण्डारण किया गया है, और किसानों द्वारा अपनी आवश्यकता के अनुसार समितियों से 11553.54 टन खाद का उठाव किया जा चुका है।

उप संचालक कृषि ने बताया कि खरीफ वर्ष 2026-27 में के लिए किसानों की मांग को ध्यान में रखते हुए यूरिया, डीएपी, एनपीके, एसएसपी एवं एमओपी सहित विभिन्न उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराया गया है। अब तक जिले के किसानों द्वारा 11553.54 टन खाद का उठाव किया जा चुका है तथा 4410.10 टन खाद उपलब्ध है। वर्तमान में समितियों में यूरिया 2159 टन, डीएपी 593.25 टन, एनपीके 758.60 टन, एसएसपी 612.25 टन तथा एमओपी 287 टन खाद शेष उपलब्ध है।

उन्होंने बताया कि विकासखण्ड बलरामपुर की 7 सहकारी समितियों में 2063.71 टन खाद का भण्डारण किया गया, जिसमें से किसानों द्वारा 1608.16 टन खाद का उठाव किया जा चुका है तथा 455.55 टन खाद उपलब्ध है। इसी प्रकार विकासखण्ड रामचन्द्रपुर की 6 समितियों में 3613.69 टन खाद का भण्डारण किया गया, जिसमें से 3010.76 टन खाद का उठाव तथा 602.93 टन खाद शेष है।

विकासखण्ड राजपुर की 6 समितियों में 4149.21 टन खाद का भण्डारण किया गया है। जहां किसानों द्वारा 2954.83 टन खाद का उठाव किया जा चुका है तथा 1194.38 टन खाद उपलब्ध है। विकासखण्ड शंकरगढ़ की 4 समितियों में 1124 टन खाद का भण्डारण किया गया, जिसमें से 863.57 टन खाद का उठाव एवं 260.43 टन खाद शेष है।

विकासखण्ड कुसमी की 4 समितियों में 1300.66 टन खाद का भण्डारण किया गया है, जिसमें से किसानों ने 611.71 टन खाद प्राप्त किया है तथा 688.95 टन खाद उपलब्ध है। इसी प्रकार विकासखण्ड वाड्रफनगर की 10 समितियों में 3712.38 टन खाद का भण्डारण किया गया। जिसमें से 2504.51 टन खाद का उठाव किया जा चुका है तथा 1207.87 टन खाद वर्तमान में उपलब्ध है।

किसान अपनी आवश्यकता के अनुसार समितियों से खाद का उठाव करें तथा खरीफ फसलों की बुआई से पूर्व आवश्यक कृषि आदानों की व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित कर लें। विभाग द्वारा उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण पर सतत निगरानी रखी जा रही है, साथ ही किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े ।

उप संचालक कृषि ने किसानों से नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी के उपयोग को भी बढ़ावा देने की अपील की है। उन्होंने बताया कि नैनो उर्वरक फसलों को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराने में प्रभावी हैं तथा इनके उपयोग से लागत में भी कमी के साथ बेहतर उत्पादन प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

जीपीएम जिला का इसराईल बने भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला प्रभारी

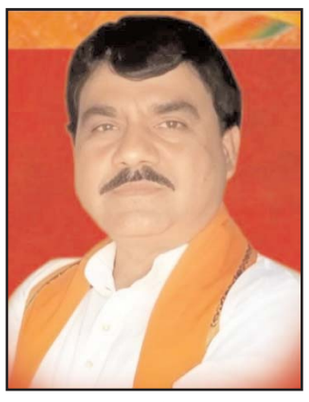

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। भाजपा प्रदेश संगठन के प्रदेश अध्यक्ष किरणदेव सिंह व प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश महामंत्री एवं मुख्यालय प्रभारी नवीन मार्कण्डेय की अनुशंसा पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष मखमूर इकबाल खान द्वारा ग्राम पंचायत जयनगर निवासी मो. इसराईल को गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले का जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है। उक्त नियुक्ति से संगठन कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है। इससे पूर्व वे सरगुजा प्रभारी एवं जशपुर प्रभारी का दायित्व संभाल चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर एसईसीएल कॉलोनियों में

आवारा कुत्तों पर बनेगी विशेष कार्ययोजना

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। आवारा कुत्तों के बढ़ते हमलों और इससे बच्चों की सुरक्षा को लेकर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद एसईसीएल ने अपनी सभी कॉलोनियों में व्यापक सुरक्षा और प्रबंधन अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। एसईसीएल मुख्यालय द्वारा 15 जुलाई को जारी आदेश के तहत सभी क्षेत्रों में तत्काल प्रभाव से विशेष कार्ययोजना लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

यह आदेश भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सुप्रीम कोर्ट की संज्ञान याचिका के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप जारी किया गया है। इसका उद्देश्य एसईसीएल कॉलोनियों में रहने वाले कर्मचारियों, उनके परिवारों और विशेष रूप से बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। आदेश के अनुसार एसईसीएल के सभी क्षेत्रों के टाउन एडमिनिस्ट्रेशन टीए प्रभारी, मुख्यालय सहित, अपने-अपने क्षेत्र के नोडल अधिकारी होंगे। इनकी जिम्मेदारी स्थानीय नगर पंचायत एवं जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर आवारा कुत्तों के नियंत्रण और सुरक्षा उपायों को प्रभावी ढंग से लागू कराना होगी। साथ ही सभी कार्यों का रिकॉर्ड तैयार कर मुख्यालय को नियमित रिपोर्ट भेजनी होगी।

एसईसीएल ने स्थानीय प्रशासन के सहयोग से कॉलोनियों में एनिमल बर्थ कंट्रोल यानी आवारा कुत्तों की नसबंदी तथा एंटी रेबीज टीकाकरण अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इससे कुत्तों की अनियंत्रित संख्या पर रोक लगाने और रेबीज जैसी घातक बीमारी के खतरे को कम करने का प्रयास किया जाएगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि आवारा कुत्तों के लिए निर्धारित फीडिंग जोन बनाए जाएंगे। ये स्थान आवासीय कॉलोनियों, स्कूलों, खेल मैदानों और अधिक आवाजाही वाले क्षेत्रों से दूर होंगे, ताकि बच्चों और आम नागरिकों के साथ कुत्तों का अनावश्यक संपर्क कम हो तथा उनके आक्रामक व्यवहार की संभावना घटे। एसईसीएल कॉलोनियों में विशेष जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे। इनमें लोगों, खासकर बच्चों को बताया जाएगा कि आवारा कुत्तों के आसपास किस प्रकार व्यवहार करना चाहिए, उन्हें उकसाने या पत्थर मारने जैसी हरकतों से कैसे बचना चाहिए तथा कुत्ते के काटने की स्थिति में तत्काल प्राथमिक उपचार और चिकित्सकीय सहायता कैसे प्राप्त करनी चाहिए।आदेश में कहा गया है कि कॉलोनियों, कैंटीनों, बाजारों और घरों से निकलने वाले जैविक एवं खाद्य अपशिष्ट का वैज्ञानिक तरीके से निपटान सुनिश्चित किया जाए। खुले में पड़ा खाद्य कचरा आवारा कुत्तों को आकर्षित करता है, इसलिए प्रभावी कचरा प्रबंधन को इस अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। एसईसीएल ने अपने सभी अस्पतालों और डिस्पेंसरी में एंटी रेबीज वैक्सीन तथा रेबीज इम्युनोग्लोब्युलिन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में प्रभावित व्यक्ति को तुरंत उपचार मिल सके। सुप्रीम कोर्ट और स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देशों के पालन के लिए प्रत्येक क्षेत्र के नोडल अधिकारी निर्धारित प्रारूप में सभी जानकारियां संकलित करेंगे। इन रिपोर्टों को समय-समय पर एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर भेजा जाएगा, जिससे उच्च अधिकारियों को पूरे अभियान की प्रगति की जानकारी मिलती रहे।

डोर-टू-डोर विजिट कर बनाया जा रहा आयुष्मान एवं वय वंदना कार्ड

विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों के घर पहुंचकर किया जा रहा पंजीयन एवं ई-केवाईसी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में पात्र नागरिकों को नि:शुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं आयुष्मान वय वंदना योजना के अंतर्गत विशेष डोर-टू-डोर अभियान संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग की टीम, मितानिन, एएनएम, स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं स्वास्थ्य मित्र घर-घर पहुंचकर पात्र हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड बना रहे हैं। विशेष रूप से 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के घर पहुंचकर उनका ई-केवाईसी एवं आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाया जा रहा है, जिससे उन्हें स्वास्थ्य संस्थानों तक आने की आवश्यकता न पड़े और घर पर ही योजना का लाभ मिल सके।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत जिले में राशन कार्ड डाटा के अनुसार कुल 8,02,384 पात्र हितग्राही चिन्हित हैं। इनमें से अब तक 7,41,792 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं, जबकि शेष पात्र हितग्राहियों का पंजीयन कार्य निरंतर जारी है।

इसी प्रकार आयुष्मान वय वंदना योजना के अंतर्गत 70 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों का ई-केवाईसी कराया जा रहा है। ई-केवाईसी के उपरांत हितग्राही अपना आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनवाकर प्रतिवर्ष 5 लाख सेरुपये तक की नि:शुल्क उपचार सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

राशन कार्ड डाटा के अनुसार जिले में आयुष्मान वय वंदना योजना के तहत कुल 21,609 पात्र वरिष्ठ नागरिक चिन्हित हैं। इनमें से अब तक 14,499 वरिष्ठ नागरिकों का पंजीयन पूर्ण किया जा चुका है। शेष पात्र हितग्राहियों तक पहुंचने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार घर-घर भ्रमण कर पंजीयन कार्य कर रही हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने सभी पात्र हितग्राहियों से अपील की है कि वे स्वास्थ्य विभाग की टीमों का सहयोग करें तथा आधार कार्ड, राशन कार्ड एवं मोबाइल नंबर उपलब्ध कराकर अपना आयुष्मान कार्ड एवं आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनवाएं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर योजना के अंतर्गत नि:शुल्क उपचार की सुविधा का लाभ प्राप्त किया जा सके।

शिवनंदनपुर नगर पंचायत में पीआईसी का गठन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नवगठित नगर पंचायत शिवनंदनपुर में लंबे इंतजार और राजनीतिक हलचल के बाद आखिरकार अध्यक्ष रितेश जायसवाल ने नगर पंचायत की प्रेसिडेंट-इन-काउंसिल पीआईसी का गठन कर दिया है। पीआईसी के गठन के साथ ही नगर के विकास कार्यों को गति देने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी अलग-अलग सदस्यों को सौंप दी गई है। हालांकि इस गठन के साथ राजनीतिक विवाद भी सामने आ गया है, क्योंकि दो कांग्रेसी पार्षदों ने उन्हें बिना अनुमति पीआईसी में शामिल किए जाने पर आपत्ति दर्ज कराई है।

नगर पंचायत अध्यक्ष रितेश जायसवाल द्वारा जारी आदेश के अनुसार पीआईसी में नपं उपाध्यक्ष व पदेन सदस्य अंशुल गोयल को राजस्व एवं बाजार समिति, पार्षद मंजू गोयल को विधि, सामान्य प्रशासन एवं सामान्य प्रयोजन समिति, पार्षद मनी बग्गा को शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण समिति, पार्षद अंजली राजवाड़े को आवास एवं पर्यावरण, लोक निर्माण तथा जल कार्य समिति,

जबकि पार्षद विमला सिंह को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, स्वास्थ्य एवं अस्पताल समिति की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन समितियों के माध्यम से नगर पंचायत के प्रशासनिक, विकासात्मक और जनकल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे।गौरतलब है कि कुछ दिन पहले पीआईसी गठन को लेकर नगर पंचायत में असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। अनुसूचित जनजाति वर्ग के प्रतिनिधित्व को लेकर चर्चा तेज थी और इसी बीच दो कांग्रेसी पार्षदों ने बिना सहमति उनके नाम शामिल किए जाने पर आपत्ति दर्ज कराते हुए पीआईसी में शामिल न किए जाने की मांग कर दी थी। इस घटनाक्रम के बाद मामला राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया। नगर पंचायत अध्यक्ष रितेश जायसवाल ने पूरे मामले पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि पीआईसी गठन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद दो अनुसूचित जनजाति वर्ग के पार्षदों ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई है।

उन्होंने बताया कि पूर्व सरपंच के रूप में लगभग दस वर्षों का अनुभव रखने वाली विमला सिंह को नगर के विकास कार्यों में उनके अनुभव का लाभ लेने की मंशा से पीआईसी में शामिल किया गया है। अध्यक्ष ने कहा कि किसी सदस्य को पीआईसी में शामिल करना अध्यक्ष का विशेषाधिकार है और यह निर्णय पूरी तरह नगरहित को ध्यान में रखकर लिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि विमला सिंह अब भी पीआईसी में नहीं रहना चाहती हैं, तो उनके द्वारा दिए गए आवेदन को आवश्यक मार्गदर्शन के लिए उच्च अधिकारियों के पास भेजा जाएगा, ताकि नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा सके। अध्यक्ष रितेश जायसवाल ने कहा कि उनकी प्राथमिकता नगर पंचायत का सर्वांगीण विकास है। उन्होंने सभी निर्वाचित पार्षदों से मतभेद भुलाकर एकजुट होकर काम करने की अपील करते हुए कहा कि नगर का विकास तभी संभव है, जब सभी जनप्रतिनिधि मिलकर जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरें। पीआईसी गठन के बाद अब नगरवासियों की नजर इस बात पर टिकी है कि नवगठित समितियां शहर की मूलभूत समस्याओं के समाधान में कितनी तेजी और प्रभावशीलता से काम करती हैं।

उर्वरक बिक्री में अनियमितता पर प्रशासन सख्त, 5 दुकानों पर विक्रय पर प्रतिबंध, 1 दुकान का लाइसेंस निरस्त की कार्यवाही

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। किसानों को उर्वरकों की निर्धारित दर पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिले में उर्वरक दुकानों की सतत निगरानी एवं जांच की जा रही है। इसी कड़ी में कृषि विभाग एवं प्रशासन के संयुक्त टीम के द्वारा जिले के विकासखण्ड वाड्रफनगर व बलरामपुर में जांच के दौरान कुल 5 दुकानों में खाद बिक्री में अनियमितता पाए जाने पर विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया है तथा 1 दुकान को नोटिस जारी किया गया। साथ ही एक दुकान का लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जा रही है। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखण्ड वाड्रफनगर के ग्राम पंडरी स्थित सुरेन्द्र खाद भण्डार दुकान के संबंध अनियमितता की शिकायत प्राप्त होने पर दुकान की जांच की गई। जिसमें जांच में पाया गया कि दुकान संचालक के द्वारा खाद बिक्रय में अनियमितता बरती जा रही थी। जिस पर संयुक्त टीम के द्वारा कार्यवाही करते हुए उक्त दुकान का लाइसेंस निरस्त करने की कार्यवाही की जा रही है।

इसी प्रकार वाड्रफनगर में जायसवाल फर्टिलाइजर्स में प्राप्त शिकायत के आधार पर कृषि विभाग एवं प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान अधिक मूल्य पर उर्वरक विक्रय संबंधी शिकायत के आधार पर शिकायतकर्ता का बयान दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता ने अपने बयान में बताया कि निर्धारित मूल्य 532 रुपये के स्थान पर 600 रुपये लिए जाने की बात कही। जांच के दौरान दुकान से संबंधित बिल जांच दल द्वारा परीक्षण के लिए संज्ञान में लिया गया। मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए शिकायतकर्ता एवं दुकान संचालक, दोनों पक्षों के कथन दर्ज किए गए। प्रथम दृष्टया तथ्यों के परीक्षण के उपरांत कृषि विभाग द्वारा दुकान संचालक को मौके पर ही कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। साथ ही संबंधित विभाग द्वारा अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

साइबर अपराध के खिलाफ लटोरी पुलिस ने गांवों और स्कूलों में दिलाई शपथ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। डिजिटल युग में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने और लोगों को ऑनलाइन ठगी से बचाने के उद्देश्य से सूरजपुर पुलिस द्वारा जिलेभर में साइबर जागरूकता महा अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देशन में लटोरी पुलिस चौकी क्षेत्र के विभिन्न गांवों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों और विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। इस दौरान लटोरी चौकी प्रभारी सुनील सिंह ने ग्रामीणों, छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को बताया कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी फर्जी कॉल, व्हाट्सएप लिंक, ओटीपी, बैंक खाते की जानकारी, केवाईसी अपडेट,

ऑनलाइन नौकरी, लॉटरी, निवेश और सोशल मीडिया हैकिंग जैसे कई हथकंडों से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। ऐसे मामलों में थोड़ी सी लापरवाही भी बड़ी आर्थिक क्षति का कारण बन सकती है। लोगों को समझाया गया कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना ओटीपी, बैंक खाता, एटीएम, यूपीआई पिन या पासवर्ड साझा न करें। किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचें और सोशल मीडिया पर आने वाले आकर्षक ऑफरों या इनाम के झांसे में न आएं। ऑनलाइन लेनदेन करते समय केवल अधिकृत और सुरक्षित माध्यमों का ही उपयोग करें। उपस्थित सभी लोगों को साइबर अपराध से स्वयं सुरक्षित रहने और अपने परिवार तथा आसपास के लोगों को भी जागरूक करने की शपथ दिलाई गई।

गुलाब जामुन का पौधा देखकर बच्चों में उत्साह, बोले- इसकी रक्षा हम करेंगे

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत विद्यालय में हुआ पौधारोपण

दुर्लभ एवं फलदार पौधों का किया रोपण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर - शासन की महत्वाकांक्षी पहल ह्लएक पेड़ माँ के नामह्व अभियान के अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला पतरापाली में ईको क्लब द्वारा उत्साहपूर्वक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन तथा पौधों के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में कुल 7 पौधों का रोपण किया गया, जिनमें 1 काजू, 1 गुलाब जामुन, 2 आम, 1 मीठी नीम, 1 मकर तेंदू तथा 1 कटहल का पौधा शामिल रहा। सभी पौधे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने मिलकर लगाए तथा उनकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया। सभी ने मिलकर पौधों को सुरक्षित रखने एवं हरियाली बढ़ाने का संदेश दिया। पौधों के बारे में ईको क्लब प्रभारी योगेश कुमार साहू ने विद्यार्थियों को प्रत्येक पौधे की विशेषताओं एवं उपयोगिता के बारे में

विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि काजू, आम, कटहल, मकर तेंदू और गुलाब जामुन जैसे फलदार वृक्ष भविष्य में स्वादिष्ट एवं पौष्टिक फल प्रदान करेंगे, वहीं मीठी नीम जैसे पौधे पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, जैव विविधता को बढ़ावा देने तथा अनेक जीव-जंतुओं के लिए उपयोगी हैं। ह्लआज लगाया गया एक पौधा आने वाले वर्षों में अनेक लोगों को शुद्ध वायु, छाया, फल और बेहतर पर्यावरण प्रदान करेगा। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी माँ के नाम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो हमारा देश हराभरा और प्रदूषण मुक्त बन सकता है। प्रधान पाठक के. के. यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ह्लपौधा लगाना केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि उसकी नियमित देखभाल करना हमारी जिम्मेदारी है। आज के बच्चे यदि प्रकृति से जुड़ेंगे तो भविष्य में पर्यावरण संरक्षण के सच्चे प्रहरी बनेंगे। प्रत्येक विद्यार्थी अपने लगाए हुए पौधे को एक परिवार के सदस्य की तरह सुरक्षित रखे। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विशेष उत्साह के साथ पौधारोपण किया। जब उन्हें बताया गया कि गुलाब जामुन का भी एक फलदार वृक्ष होता है, तो बच्चों ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा ह्लहमने आज तक गुलाब जामुन का फल पेड़ पर नहीं देखा है। हम इस पौधे की बहुत जतन से देखभाल करेंगे। जब यह बड़ा पेड़ बनेगा, तब हम सभी इसके स्वादिष्ट गुलाब जामुन खाएँगे।ह्व विद्यार्थियों का यह उत्साह कार्यक्रम का सबसे प्रेरणादायक क्षण रहा। सभी बच्चों ने अपने-अपने पौधों की नियमित सिंचाई, सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प लिया।

छात्राओं को दिया गया आत्मरक्षा, साइबर सुरक्षा एवं बाल अधिकारों का प्रशिक्षण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विकासखंड सूरजपुर अंतर्गत शा.उ.मा.वि. गिरवरगंज में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छात्राओं एवं उपस्थित जनों को आत्मरक्षा, साइबर सुरक्षा, बाल अधिकारों तथा महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। सुश्री सारिका द्वारा छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया, ताकि वे विषम परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा हेतु सक्षम बन सकें। इसके पश्चात राय सिंह ने साइबर अपराध के विभिन्न स्वरूपों के प्रति सचेत करते हुए बचाव के उपाय बताए तथा

साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी दी। वित्तीय साक्षरता एवं समन्वयक विशेषज्ञ सुश्री फरजाना ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के महत्व के साथ साथ घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न एवं मासिक धर्म स्वच्छता जैसे विषयों पर जागरूक किया तथा महिला हेल्पलाइन नंबर 181 एवं 112 की जानकारी प्रदान की। जेंडर विशेषज्ञ सुश्री पूनम राजवाड़े ने नोनी सुरक्षा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, महतारी वंदन योजना एवं सखी वन स्टॉप सेंटर सहित बालिकाओं एवं महिलाओं के हित में संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। आरती के द्वारा बोसण वित्रण किया गया तथा प्राचार्य के.पी. कूजुर व्याख्याता एस.एन यादव, प्रदीप त्रिपाठी, सुषमा जायसवाल, सीमा राय आदि उपस्थित होकर जागरूकता कार्यक्रम को सम्पन कराया।

साइबर कॉप अभियान, 171 स्थानों पर 40 हजार नागरिकों एवं छात्र-छात्राओं ने ली साइबर सुरक्षा की शपथ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों से आमजन को सुरक्षित रखने तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला पुलिस द्वारा संचालित साइबर कॉप जनजागरूकता महाअभियान के अंतर्गत बीते मंगलवार को जिलेभर में व्यापक स्तर पर साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। डीआईजी व एसएसपी के निर्देशन में संचालित इस अभियान के दौरान जिले के थाना-चौकी की पुलिस द्वारा 171 स्थानों पर 40 हजार से अधिक नागरिकों, छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, शासकीय कर्मचारियों एवं विभिन्न वर्गों के लोगों को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। डीआईजी प्रशांत कुमार ठाकुर स्वयं इस अभियान की मॉनिटरिंग करते रहे और शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सूरजपुर जाकर साइबर कॉप अभियान के तहत साइबर सुरक्षा की शपथ स्कूली छात्राओं व शिक्षकों को दिलाई। उन्होंने शपथ दिलाई कि साइबर प्रहरी के रूप में साइबर सुरक्षा के नियमों का पालन करेंगे, किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करेंगे, ओटीपी, बैंक खाते, एटीएम, यूपीआई पिन अथवा अन्य गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करेंगे, सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करेंगे तथा

साइबर अपराध से संबंधित किसी भी घटना की जानकारी तत्काल पुलिस एवं साइबर हेल्पलाइन 1930 पर देंगे। साथ ही वे अपने परिवार, मित्रों एवं समाज के अन्य लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करेंगे। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने साइबर ठगी के नए तरीकों, डिजिटल फ्रॉड से बचाव, सुरक्षित ऑनलाइन लेन-देन, सोशल मीडिया सुरक्षा तथा साइबर अपराध की शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी।

नागरिको को साइबर सुरक्षा का जिम्मेदार प्रहरी बनाना उद्देश्य-प्रशांत

इस अवसर पर डीआईजी ने कहा कि वर्तमान समय में अधिकांश अपराध डिजिटल माध्यमों से किए जा रहे हैं। ऐसे में तकनीकी जानकारी और जागरूकता ही सबसे प्रभावी सुरक्षा कवच है। यदि प्रत्येक नागरिक सतर्क रहकर साइबर सुरक्षा के नियमों का पालन करे और दूसरों को भी जागरूक करे, तो साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि साइबर कॉप अभियान का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को साइबर सुरक्षा का जिम्मेदार प्रहरी बनाना है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध कॉल, संदेश, लिंक अथवा ऑनलाइन लेन-देन के झांसे में न आएं। किसी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। इस अभियान में निरीक्षक जावेद मियादाद की भी सराहनीय भूमिका रही।

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर थाना एवं चौकी प्रभारी किए गए पुरस्कृत

जिले में साइबर कॉप, साइबर सुरक्षा जनजागरूकता महाअभियान के अंतर्गत सर्वाधिक संख्या में नागरिकों एवं छात्र-छात्राओं को साइबर सुरक्षा की शपथ दिलाने वाले थाना एवं चौकी प्रभारियों को पुरस्कृत किया गया। एसएसएपी ने अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर चौकी बसदेई, द्वितीय स्थान पर थाना झिलमिली तथा तृतीय स्थान पर चौकी लटोरी के प्रभारियों को पुरस्कृत कर उनके कार्यों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों की रोकथाम में जनजागरूकता सबसे प्रभावी माध्यम है तथा इस दिशा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों का सम्मान अन्य पुलिसकर्मियों के लिए भी प्रेरणादायक है।

जिला अस्पताल में सफलतापूर्वक किया गया 6 हिप रिप्लेसमेंट ऑपरेशन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां जिला अस्पताल ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अब तक 6 हिप रिप्लेसमेंट ऑपरेशन सफलतापूर्वक संपन्न किए हैं। इन जटिल शल्यक्रियाओं की सफलता से जिले एवं आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को अब उन्नत अस्थि चिकित्सा सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो रही हैं, जिससे उन्हें उपचार के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। यह उपलब्धि सीएमएचओ डॉ. कपिल देव पैकरा व सिविल सर्जन डॉ. अजय मरकाम के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में प्राप्त हुई है। अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. अजय साहू एवं डॉ. अमन गुप्ता द्वारा इन ऑपरेशनों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया, जबकि एनेस्थीसिया की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी डॉ. विकास भगत एवं डॉ. अनिल कुमार ने निभाई। ऑपरेशन की सफलता में नर्सिंग एवं सहयोगी स्टाफ का भी उल्लेखनीय योगदान रहा। इसमें नर्सिंग सिस्टर श्रीमती तारा सिंह, ओटी इंचार्ज नवीदा परवीन, स्टाफ नर्स दीप्ति निशा, सीमा देवांगन एवं मयंक राजवाड़े, ओटी

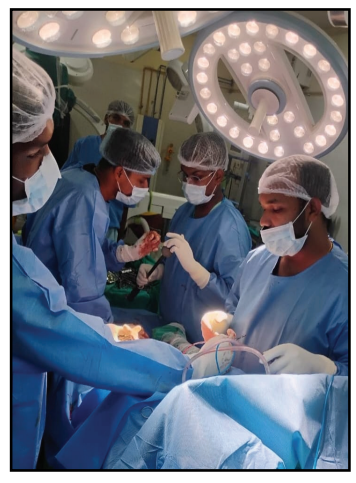

टेक्नीशियन बोधन राजवाड़े, अटेंडेंट सुखलाल राम तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सागर रवि एवं भीख साय की भूमिका महत्वपूर्ण रही। ऑपरेशन के पश्चात सभी मरीज इंद्रजीत, लल्लू राम, संतोष, टेकराम एवं जोखा राम अब पूर्णतः स्वस्थ हैं और चिकित्सकीय निगरानी में स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं। जिला चिकित्सालय में टीएचआर जैसी उन्नत शल्य चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होना जिले के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। इससे विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर एवं दूरस्थ क्षेत्रों के मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार अपने ही जिले में सुलभ हो सकेगा, जिससे उनका समय एवं धन दोनों की बचत होगी। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. कपिल देव पैकरा ने पूरी चिकित्सा टीम, नर्सिंग स्टाफ एवं सहयोगी कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि जिला चिकित्सालय में भविष्य में भी आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार निरंतर किया जाता रहेगा, ताकि जिलेवासियों को बेहतर से बेहतर उपचार सुविधाएं मिल सकें।

नपा क्षेत्र में अपूर्ण पीएम आवासों के हितग्राहियों को जारी हुए रिकवरी नोटिस

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। यहां के नगर पालिका परिषद द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अंतर्गत ऐसे हितग्राहियों के विरुद्ध रिकवरी नोटिस जारी किए जा रहे हैं, जिन्होंने वर्ष 2020 के पूर्व आवास स्वीकृत होने तथा शासन से निर्धारित राशि प्राप्त कर लेने के बावजूद तय अवधि में अपना आवास निर्माण कार्य पूर्ण नहीं किया है। नियमानुसार की जा रही इस कार्यवाही के तहत संबंधित हितग्राहियों को नोटिस भेजकर आवश्यक कार्रवाई से अवगत कराया जा रहा है। नपा द्वारा संबंधित हितग्राहियों से अपील की

गई है कि वे नोटिस प्राप्त होने के पश्चात निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें अथवा आवास निर्माण कार्य पूर्ण कर आवश्यक दस्तावेज परिषद को उपलब्ध कराएं। ऐसा न करने की स्थिति में शासन के प्रचलित नियमों के अनुसार प्रदत्त राशि की वसूली के लिए आरआरसी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। नपा. ने समस्त संबंधित हितग्राहियों से आग्रह किया है कि वे समय रहते आवश्यक पहल करें, जिससे उन्हें अनावश्यक वसूली की प्रक्रिया का सामना न करना पड़े। परिषद द्वारा स्पष्ट किया गया है कि योजना के अंतर्गत प्राप्त राशि का उपयोग निर्धारित प्रयोजन के अनुरूप कर आवास निर्माण पूर्ण कराना प्रत्येक हितग्राही का दायित्व है, अतः सभी हितग्राही निर्धारित समयावधि का पालन करते हुए अपेक्षित सहयोग प्रदान करें।

निर्धारित समय पर सुनिश्चित करें राजस्व प्रकरणों का निराकरण-शिवानी

आरआई एवं पटवारियों को दिए गए निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देश पर एसडीएम शिवानी जायसवाल एवं तहसीलदार द्वारा राजस्व निरीक्षकों और पटवारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में एग्रीस्टैक पंजीयन को शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। एसडीएम ने सभी पटवारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने हल्कों में पारा-मोहल्लों में मुनादी कराकर किसानों को जागरूक करें तथा कॉमन सर्विस सेंटर एवं संबंधित अधिकारियों के समन्वय से कार्य करें। जिन किसानों का अब तक पंजीयन नहीं हुआ है, उनके घर-घर जाकर संपर्क कर हर पात्र किसान का एग्रीस्टैक पंजीयन हर हाल में सुनिश्चित करें। बैठक में नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन सहित लंबित राजस्व प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। इसके अलावा बैठक में राजस्व विभाग से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा करते हुए शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा सौंपे गए दायित्वों का समयबद्ध निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

नाशपाती की बागवानी से किसान मनोज यादव की बढ़ी आय, पर्यटकों के आकर्षण का बना केंद्र

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।छत्तीसगढ़ के शिमला के नाम से प्रसिद्ध मैनपाट अब प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ एग्री-टूरिज्म और फलोद्यान विकास का भी प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। राज्य शासन के उद्यानिकी विभाग की योजनाओं और तकनीकी मार्गदर्शन से यहां के किसान पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर फलों की व्यावसायिक बागवानी के माध्यम से बेहतर आमदनी अर्जित कर रहे हैं। ग्राम बारिमा निवासी प्रगतिशील किसान मनोज यादव इसकी प्रेरक मिसाल हैं, जिन्होंने ग्राम कुदारीडीह (मेहता पॉइंट के समीप) में नाशपाती का सफल बगीचा विकसित कर आर्थिक समृद्धि की नई राह बनाई है। मनोज यादव ने वर्ष 2017-18 में कमलेश्वरपुर स्थित शासकीय उद्यान रोपणी से

नाशपाती के पौधे प्राप्त कर अपनी आधा हेक्टेयर भूमि में लगभग 200 पौधे लगाए थे। प्राकृतिक कारणों से कुछ पौधे नष्ट होने के बावजूद वर्तमान में लगभग 170 पौधे फलदार वृक्ष बन चुके हैं और नियमित उत्पादन दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि उद्यानिकी विभाग के अधिकारी समय-समय पर बगीचे का निरीक्षण कर पौधों की देखभाल, पोषण प्रबंधन तथा आधुनिक बागवानी तकनीकों के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन देते रहे हैं। विभाग के निरंतर सहयोग से उत्पादन की गुणवत्ता और आय दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

नाशपाती की खेती से लाखों की आय

इस वर्ष ओलावृष्टि और बिक्री में विलंब के बावजूद बगीचे से करीब 260 कैरेट नाशपाती का उत्पादन हुआ। थोक बाजार में लगभग 500 रुपये प्रति कैरेट की दर से बिक्री के साथ ही पर्यटकों को फुटकर बिक्री से अतिरिक्त आय प्राप्त हुई। इससे इस वर्ष लगभग 1.5 लाख रुपये की शुद्ध आय हुई। मनोज यादव ने बताया कि पिछले वर्ष मौसम अनुकूल रहने पर इसी बगीचे से उन्हें लगभग 2.5 से 3 लाख रुपये की आय प्राप्त हुई थी।

पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना बगीचा

कुदारीडीह स्थित यह नाशपाती बगीचा अब एग्री-टूरिज्म का आकर्षक केंद्र बन गया है। लालमाटी क्षेत्र में स्थित इस स्थल से रायगढ़ अंचल का मनोहारी दृश्य दिखाई देता है, जिसे देखने प्रतिदिन 100 से 250 पर्यटक पहुंचते हैं। यहां आने वाले पर्यटक ताजी नाशपाती खरीदने के साथ स्वयं पेड़ों से फल तोड़ने का भी आनंद लेते हैं। इससे किसानों को अपनी उपज सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने और बेहतर मूल्य प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है।

अन्य किसानों के लिए प्रेरणा

मनोज यादव ने किसानों, विशेषकर युवाओं से पारंपरिक खेती के साथ नाशपाती, लीची एवं अन्य फलदार फसलों की बागवानी अपनाने की अपील की है। उनका कहना है कि कम क्षेत्र में भी वैज्ञानिक तरीके से बागवानी कर बेहतर आय अर्जित की जा सकती है, वहीं पर्यटन क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विपणन से अतिरिक्त लाभ भी मिलता है। जिला प्रशासन एवं उद्यानिकी विभाग फलोद्यान विकास, तकनीकी प्रशिक्षण और आधुनिक कृषि पद्धतियों के माध्यम से किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। मनोज यादव की सफलता इस बात का प्रमाण है कि विभागीय मार्गदर्शन, वैज्ञानिक खेती और निरंतर मेहनत से बागवानी को लाभकारी व्यवसाय में बदला जा सकता है।

सम्पादकीय

अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौती बढ़ती महंगाई

देश में बढ़ती महंगाई एक बार फिर चिंता का विषय बन गई है। जून में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह लगातार छठा महीना है, जब महंगाई में वृद्धि दर्ज की गई है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जनवरी 2025 के बाद पहली बार महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 4 प्रतिशत के मध्य लक्ष्य को पार कर गई है। यद्यपि यह अभी भी आरबीआई के 2 से 6 प्रतिशत के सहनशीलता दायरे में है, लेकिन लगातार बढ़ती महंगाई भविष्य के लिए गंभीर संकेत दे रही है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो इसका असर केवल आम आदमी की जेब तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देश की आर्थिक विकास दर भी प्रभावित हो सकती है। महंगाई का सबसे बड़ा कारण इस बार खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी है। आलू, प्याज, टमाटर, अदरक जैसी रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं लगातार महंगी हो रही हैं। इन वस्तुओं का सीधा संबंध आम परिवार की रसोई से है। जब भोजन महंगा होता है तो सबसे अधिक बोझ मध्यम और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ऊर्जा बाजार की अनिश्चितता के कारण कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका बनी हुई है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में तेल महंगा होने से परिवहन, उद्योग और उत्पादन लागत बढ़ती है, जिसका बोझ अंततः उपभोक्ता पर ही पड़ता है। दूसरी ओर अल नीनो के प्रभाव और मानसून को लेकर बनी अनिश्चितता भी चिंता बढ़ा रही है। यदि वर्षा सामान्य से कम रहती है तो कृषि उत्पादन प्रभावित होगा और खाद्य महंगाई और तेज हो सकती है। महंगाई बढ़ने का एक बड़ा असर मौद्रिक नीति पर पड़ता है। यदि मूल्य वृद्धि लगातार बनी रहती है तो आरबीआई को रेपो रेट बढ़ाने का विकल्प अपनाना पड़ सकता है। रेपो रेट बढ़ने का मतलब है कि बैंकों के लिए धन जुटाना महंगा होगा और वे होम लोन, वाहन ऋण, शिक्षा ऋण तथा उद्योगों को दिए जाने वाले कर्ज की ब्याज दरें बढ़ा देंगे। इससे निवेश और खपत दोनों प्रभावित होंगे। उद्योगों का विस्तार धीमा पड़ सकता है और रोजगार सृजन की रफ्तार भी कम हो सकती है। अर्थात महंगाई पर नियंत्रण के लिए उठाया गया कदम आर्थिक विकास की गति को भी प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि आरबीआई के सामने महंगाई और विकास के बीच संतुलन बनाए रखने की कठिन चुनौती है। सरकार के लिए भी यह समय सतर्क रहने का है। ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को बढ़ावा देकर आयातित ईंधन पर निर्भरता कम करना भी दीर्घकालिक समाधान का हिस्सा होना चाहिए। केवल ब्याज दरों के सहारे महंगाई पर नियंत्रण संभव नहीं है; इसके लिए उत्पादन, आपूर्ति और बाजार प्रबंधन को समान रूप से मजबूत करना होगा। यह भी ध्यान रखना होगा कि भारत की अर्थव्यवस्था आज वैश्विक परिस्थितियों से पहले की तुलना में कहीं अधिक जुड़ी हुई है। इसलिए आर्थिक नीति को केवल वर्तमान महंगाई तक सीमित न रखकर भविष्य के संभावित जोखिमों को ध्यान में रखते हुए तैयार करना होगा। मूल्य स्थिरता, खाद्य सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा को समान प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। महंगाई का मुकाबला केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि प्रभावी नीतियों और मजबूत इच्छाशक्ति से किया जा सकता है। सरकार और आरबीआई के बीच बेहतर तालमेल, कृषि एवं ऊर्जा क्षेत्र में सुधार, मजबूत आपूर्ति व्यवस्था और बाजार की पारदर्शिता ही इस चुनौती का स्थायी समाधान है।

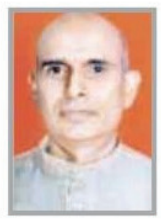

विदेश दौरे
अखिलेश आर्येन्दु

प्रधानमंत्री मोदी की इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा कई नजरिए से सफल कही जानी चाहिए। यह भी कह सकते हैं कि अब तक के उनके सभी सफल विदेश दौरों में यह दौरा भी कई नजरिए से बेहद सफल और देशहित में मील का पत्थर साबित हुआ है, क्योंकि तीनों देशों से ताल्लुकात ही बेहतर नहीं हुए, बल्कि आपसी विश्वासनीयता भी बढ़ी है। यदि हम मोदी की मई में हुई पांच देशों की विदेश यात्राओं पर नजर घुमाएं तो साफ दिखता है कि जिस तरह उनकी पिछली विदेश यात्राएं देशहित में रहीं, उसी तरह 6 जुलाई से 11 जुलाई तक की 6 दिवसीय यात्रा भी कई नजरिए से बेहद सफल और उपलब्धियों भरी रही। पिछले दस वर्षों में भारत की साख, सम्मान, प्रतिष्ठा और विश्वासनीयता बढ़ी है।

पीएम की यात्रा ने साधे कई लक्ष्य

प्रधानमंत्री मोदी की इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा कई नजरिए से सफल कही जानी चाहिए। यह भी कह सकते हैं कि अब तक के उनके सभी सफल विदेश दौरों में यह दौरा भी कई नजरिए से बेहद सफल और देशहित में मील का पत्थर साबित हुआ है, क्योंकि तीनों देशों से ताल्लुकात ही बेहतर नहीं हुए, बल्कि आपसी विश्वासनीयता भी बढ़ी है। यदि हम मोदी की मई में हुई पांच देशों की विदेश यात्रा पर नजर घुमाएं तो साफ दिखता है कि जिस तरह पिछली विदेश यात्राएं उनकी देशहित में रहीं, उसी तरह 6 जुलाई से 11 जुलाई तक की 6 दिवसीय यात्रा भी कई नजरिए से बेहद सफल और उपलब्धियां भरी रही। जिन क्षेत्रों में इंडोनेशिया, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से सहमतियां, समझौते और शिक्षा-सुरक्षा संबंधी साझेदारी हुई, उनमें सैन्य निर्यात, ऊर्जा सुरक्षा, कृषि-डेयरी और व्यापार विस्तार की साझेदारी के लिहाज से बेहद सफल और ऐतिहासिक कह जाना चाहिए। इससे भारत को आने वाले दिनों में कई तरह के फायदे तो होंगे ही, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा पर बढ़ती चिंताओं को कम करना मुनासिब होगा। प्रधानमंत्री मोदी की हालिया विदेशी दौरे की शुरुआत इंडोनेशिया से हुई। जकार्ता पहुंचने पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो का मोदी की आगवानी और स्वागत अत्यंत आत्मीयतापूर्ण था। इससे दुनियाभर में यह संदेश गया कि मोदी आज भी दुनिया के सबसे प्रभावशाली राजनेताओं और नेतृत्व-कर्ताओं में पहले नंबर पर बरकरार हैं। जकार्ता में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के साथ द्विपक्षीय वार्ता और 14 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें ब्रह्मोस मिसाइल सौदा बेहद महत्वपूर्ण था। इस महत्वपूर्ण सौदे से भारत के लिए तटीय रक्षा प्रणालियों को इंडोनेशिया को निर्यात करने का नया रास्ता खुल गया। इससे एक तीर से दो लक्ष्य साधे गए। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए समुद्री सूचनाओं को साझा करने और सुरक्षा बढ़ाने पर दोनों देशों में सहमति बनी। इसके तहत दोनों देश सांझा सैन्य अभ्यास करेंगे। दूसरी महत्वपूर्ण बात, ब्रह्मोस मिसाइल के निर्यात से भारत को रक्षा के क्षेत्र में आर्थिक फायदा होगा। इसके साथ ही, चीन के प्रभुत्व को संतुलित करने के लिए एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत सबांग बंदरगाह के संयुक्त रणनीतिक विकास और समुद्री सुरक्षा पर बड़ा करार हुआ। दोनों देश एक सांस्कृतिक पटल से जुड़े हुए हैं। दोनों देशों के बीच खनिज-स्टील सप्लाई चेन को मजबूत करने पर भी सहमति बनी। इसी के साथ रेयर मैगनेट (दुर्लभ खनिज) पर भी डील हुई। एक और खास समझौता शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में हुआ, जिसके तहत भारत का प्रसिद्ध भारतीय प्रबंधन संस्थान बेंगलुरु (आईआईएम) इंडोनेशिया में नया कैंपस खोलने पर भी सहमति हुई। कुल 14 समझोतों से भारत और इंडोनेशिया के बीच संबंध ही बेहतर नहीं हुए, बल्कि एक दूसरे के प्रति सभी क्षेत्रों में विश्वासनीयता भी बढ़ी है। दोनों देशों के बीच मित्रता और विश्वासनीयता की दीवार कितनी मजबूत है और इंडोनेशिया की जनता और वहां की सरकार के नज़र में मोदी की छवि किस तरह की है, यह उन्हें मिले इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान से जाहिर होता है। इंडोनेशिया-भारत मैत्री कोई नई नहीं है, लेकिन केंद्र में मोदी सरकार के शासन के बाद दोनों देशों में एक

नए दौर और युग की शुरुआत हुई है। मोदी को मिला इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान उनकी लोकप्रियता का तकाजा है कि जब भी वे विदेशी दौरे पर जाते हैं, तब उन्हें उस देश का सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया जाता है। इंडोनेशिया का मिला सर्वोच्च सम्मान इसी लोकप्रियता की अगली कड़ी का हिस्सा है। अब जब कि दुनिया के तमाम देशों में कई मुद्दों को लेकर तनातनी का माहौल है, ऐसे में मोदी की विदेश यात्राएं उनकी लोकप्रियता और उनकी दुनिया के देशों से उनकी मैत्री के वजह से भारत को संभावित संकटों से उबरने में मददगार साबित हो रहीं हैं। इंडोनेशिया से दोस्ती की नई इबारत लिखने के बाद प्रधानमंत्री मोदी जकार्ता से चलकर 7 जुलाई को मेलबर्न आस्ट्रेलिया पहुंचे। आस्ट्रेलिया भारत के रिश्ते दशकों पुराने हैं। मोदी की इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के मध्य रक्षा, खनिज और परमाणु सहयोग को लेकर द्विपक्षीय समझौते हुए। आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस के मध्य शिखर वार्ता हुई। बाद में दोनों देशों के मध्य अनेक क्षेत्रों में समझौते हुए। जिनमें असैन्य नाभिकीय ऊर्जा पर करार, खनिजों की सुरक्षित सप्लाई चेन का निर्माण प्रमुख है। इन समझोतों के तहत अब आस्ट्रेलिया भारत को यूरेनियम की आबाध आपूर्ति करेगा, यह भारत के लिए नाभकीय ऊर्जा आपूर्ति के मामले में मील के पत्थर की तरह है। इसके तहत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को सुरक्षित और खुला रखने के लिए दोनों सेनाओं के बीच सैन्य अंतर-संचालनीयता और समुद्री खुफिया जानकारी साझा करने पर हस्ताक्षर किए गए। आस्ट्रेलिया सरकार ने पहली बार भारत से खेल समझौते पर करार किए हैं। यह भारत और आस्ट्रेलिया को और करीब आने में मददगार साबित हो सकता है। मोदी का हालिया न्यूजीलैंड दौरा सफल और सार्थक रहा। मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ वार्ता के बाद दोनों देशों के रिश्तों को सीधे रणनीतिक साझेदारी में अपग्रेट किया गया। इस यात्रा के दौरान कुल 18 बड़े समझौते और नतीजे सामने आए। इससे भारत में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक विश्वानीय मित्र देश के रूप में न्यूजीलैंड की तमाम अवसरों, क्षेत्रों और विषयों में मदद मिलेगी, इसमें कोई संदेह की बात नहीं। महत्वपूर्ण यह नहीं है कि भारत-न्यूजीलैंड ने साथ-साथ कई क्षेत्रों में काम करने पर रजामंद हुए हैं, बल्कि महत्वपूर्ण यह है कि न्यूजीलैंड ने खुलकर विज्ञान और खगोल के क्षेत्र में सहयोगी मित्र की तरह काम करने की इच्छा जताई है। इससे भारत की समुद्री सीमाएं पहले से ज्यादा सुरक्षित हो सकेंगी। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती ताकत का सामना करने के लिए न्यूजीलैंड के साथ ये समझौते आने वाले वर्षों में मील के पत्थर भी साबित हो सकते हैं। इसी तरह इस समझौते से आर्थिक सहयोग मजबूत होंगे और सहयोग की नई संभावनाएं तलाशी जा सकेंगी। कृषि, पशुपालन और व्यापार के क्षेत्र में रोजगार और खादान को बढ़ावा मिलेगा। सांस्कृतिक संबंध नए सिरे से आगे बढ़ सकेंगे। आस्ट्रेलिया के जरिए यूरेनियम मिलने पर सहमति से भारत की शक्ति ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के साथ अन्य क्षेत्रों के लिए बेहद फायदेमंद होगा। इससे आने वाले वक्त में ऊर्जा की कमी से होने वाली तमाम रुकावटें दूर हो सकेंगी। प्रधानमंत्री मोदी का जिस तरह से दौरे वाले तीनों देशों में स्वागत किया गया, वह भारत की बढ़ती विश्व में साख और समृद्धि का प्रतीक है। पिछले दस वर्षों में भारत की जो साख, सम्मान, प्रतिष्ठा और विश्वासनीयता बढ़ी है, वह प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व, सफल विदेश नीति, रणनीति और भारत की दुनिया भर के देशों से हुए बेहतर संबंध के परिणाम हैं। मोदी की तीन देशों की यात्रा से एक बार फिर यह साबित हुआ है कि देश की समृद्धि, सुरक्षा, साख और बढ़ती ताकत मोदी के नेतृत्व में ही सुरक्षित है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

खेल

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

टी-20 में भारतीय क्रिकेट का कठिन दौर

इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 श्रृंखला में टीम इंडिया की एकतरफा हार ने भारतीय क्रिकेट जगत को झकझोर दिया। इससे पहले आयरलैंड के खिलाफ मिली अप्रत्याशित पराजय ने भी यह संकेत दे दिया था कि दुनिया की नंबर एक टी-20 टीम कही जाने वाली भारत की चमक अब फीकी पड़ती दिखाई दे रही है। क्रिकेट में हार-जीत सामान्य बात है, लेकिन लगातार दो विदेशी दौरों पर जिस तरह टीम का प्रदर्शन रहा, उसने केवल खिलाड़ियों की तकनीकी कमियों को ही नहीं, बल्कि चयन नीति, टीम प्रबंधन और तैयारी की कमजोरियों को भी उजागर कर दिया। यही कारण है कि आज हर क्रिकेट प्रेमी यह सवाल पूछ रहा है कि आखिर भारतीय टीम की इस गिरावट का वास्तविक कारण क्या है और इससे बाहर निकलने का रास्ता क्या हो सकता है। किसी भी खेल में हार केवल खिलाड़ियों की नहीं होती, बल्कि पूरी व्यवस्था की होती है। इसलिए केवल कप्तान श्रेयस अय्यर या मुख्य कोच गौतम गंभीर को निशाने पर लेना उचित नहीं होगा। श्रेयस अय्यर लंबे अंतराल के बाद टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे थे और उन्हें सीधे कप्तानी की जिम्मेदारी भी सौंप दी गई। ऐसे में उनसे तुरंत चमत्कार की अपेक्षा करना व्यावहारिक नहीं था। इंग्लैंड के खिलाफ उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन में भी कुछ अच्छी पारियां देखने को मिलीं, लेकिन टीम के सामूहिक प्रदर्शन की कमजोरी उन प्रयासों पर भारी पड़ गई। कप्तान तभी सफल हो सकता है जब उसके पास स्थिर टीम, स्पष्ट रणनीति और प्रबंधन का पूरा विश्वास हो। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को भी इस हार का गंभीर आत्ममंथन करना चाहिए। आईपीएल समाप्त होने के तुरंत बाद खिलाड़ियों को विदेशी दौरे पर भेज दिया गया, जबकि इंग्लैंड और आयरलैंड जैसी परिस्थितियों में खेलने के लिए अलग तरह की तैयारी की आवश्यकता होती है। भारतीय सपाट पिचों और इंग्लैंड की स्विंग तथा उछाल वाली पिचों में जमीन-आसमान का अंतर है। खिलाड़ियों को वहां की परिस्थितियों के अनुरूप अभ्यास का पर्याप्त समय नहीं मिला। इसके साथ ही कई अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देने का निर्णय भी टीम के संतुलन पर भारी पड़ा। सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी पूरे दौरे में महसूस की गई। ऐसा प्रतीत हुआ कि विपक्षी टीमों को अपेक्षाकृत हल्के में लिया गया, जिसका परिणाम मैदान पर स्पष्ट दिखाई दिया। टीम इंडिया की सबसे बड़ी समस्या इस समय केवल तकनीकी नहीं, बल्कि मानसिक भी दिखाई देती है। वर्तमान टीम प्रबंधन लगातार खिलाड़ियों को अंदर-बाहर कर रहा है। एक-दो खराब पारियों के बाद खिलाड़ियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है, जबकि कई बार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी भी अगले मैच में टीम से बाहर कर दिए जाते हैं। ऐसी स्थिति में किसी भी खिलाड़ी के मन में यह डर स्वाभाविक रूप से बैठ जाता है कि यदि आज प्रदर्शन नहीं हुआ तो अगला अवसर शायद न मिले। यह भय खिलाड़ियों को स्वाभाविक खेल खेलने से रोकता है। क्रिकेट आत्मविश्वास का खेल है और जब खिलाड़ी हर गेंद पर अपने स्थान की चिंता करने लगे तो उसका प्रदर्शन प्रभावित होना तय है। संजू सैमसन का उदाहरण सबसे उपयुक्त माना जा सकता है। उन्होंने विश्व कप और आईपीएल दोनों में प्रभावशाली प्रदर्शन किया, फिर भी उन्हें लगातार अवसर नहीं मिले और कई बार बिना किसी स्पष्ट कारण के टीम से बाहर कर दिया गया। यदि कोई खिलाड़ी लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद अपनी जगह सुरक्षित महसूस नहीं करता तो यह संदेश पूरी टीम में जाता है कि मेहनत और प्रदर्शन से अधिक चयन की अनिश्चितता हावी है। इससे युवा खिलाड़ियों का आत्मविश्वास भी प्रभावित होता है। टीम प्रबंधन को यह समझना होगा कि स्थिरता किसी भी सफल टीम की सबसे बड़ी ताकत होती है। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और अन्य सफल टीमें खिलाड़ियों को लंबा अवसर देती हैं, जिससे वे खुलकर खेल पाते हैं। भविष्य को ध्यान में रखते हुए टीम संयोजन पर भी नए सिरे से विचार करने की आवश्यकता है। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपनी प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया है। कुल मिलाकर हर असफलता अपने साथ एक सीख लेकर आती है। आयरलैंड और इंग्लैंड का यह दौरा भी भारतीय क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण सबक है। अब आवश्यकता दोषारोपण की नहीं, बल्कि दूरदर्शी सोच की है। चयन में पारदर्शिता, खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर, स्पष्ट भूमिकाएं, विदेशी परिस्थितियों के अनुरूप तैयारी और अनुभवी तथा युवा खिलाड़ियों का संतुलित मिश्रण ही टीम इंडिया को फिर से विश्व क्रिकेट की शिखर टीम बना सकता है।

(लेखिक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

'धर्म और अध्यात्म' के अर्थ बदलते जा रहे हैं

संप्रति कितने ही धर्मात्मा इसका श्रेय लेते हैं कि चूंकि वे किसी धर्म को मानते हैं लिहाजा आध्यात्मिक भी हैं। जबकि यह सही नहीं है। धर्म और अध्यात्म जैसे गूढ़ शब्दों का मर्म विरले ही समझ पाए हैं। वैसे हम सभी किसी न किसी धर्म को मानने वाले हैं। हमारा धर्म जन्म से पूर्व ही निर्धारित हो जाता है। उन्हीं संस्कारों के साथ हम पलते-बढ़ते हैं। हममें से कई

संकलित
दर्शन

अध्यात्म के पथ पर चलने को उत्सुक होते हैं, किंतु देखने में आता है कि धार्मिकता और आध्यात्मिकता के बीच महीन अंतर जान पाने में स्वयं को असमर्थ पाते हैं। दरअसल अपने ईश्वर प्रेम के चरम लक्ष्य की प्राप्ति ही मनुष्य को आध्यात्मिकता की ओर ले जा सकती है- फिर धर्म मार्ग कोई भी हो। हम स्वयं अनेक धार्मिक विधि-विधानों से जीवनपर्यंत बंधे रहते हैं, जो वास्तव में बाहरी क्रियाएं हैं। ज्ञानीजन मानते हैं कि धर्म धैर्यपूर्वक इंद्रियों को वश में कर अपने और प्रियजनों को सुरक्षित, विद्यावान और समृद्ध बनाने की युक्ति है, जो अकारण ही समाज को संप्रदायों में बांट लेने का कारण बन पड़ती है। जबकि अध्यात्म परस्पर मेल का साधन है, जिसका ध्येय दिव्य प्रेम को प्राप्त करना है, जो मनुष्य को उच्चतम अवस्था में ले जा सके। दुर्भाग्यवश समय के साथ धर्म और अध्यात्म के अर्थ अपनी सुविधानुसार बदलते जा रहे हैं। दोनों अपनी मूल अभिव्यक्ति खोने लगे हैं। धर्म को मानने वाले कुछ लोग, जिन पर समाज विश्वास करता है, जब स्वयं दिशाहीन होते जा रहे हैं, तब वे कैसे आमजन को अध्यात्म का गूढ़ अर्थ समझा सकने में सक्षम हो सकते हैं?

सेवा भाव ना भूलें, क्षमाशील बनें

एक राजा था, उसने 10 खूंखार जंगली कुत्ते पाल रखे थे। जिनका इस्तेमाल वह लोगों को उनके द्वारा की गयी गलतियों पर मौत की सजा देने के लिए करता था एक बार कुछ ऐसा हुआ कि राजा के एक पुराने मंत्री से कोई गलती हो गई। अतः क्रोधित होकर राजा ने उसे शिकारी कुत्तों के सामने फिकवाने का आदेश दे डाला। सजा दिए जाने से पूर्व राजा ने मंत्री

संकलित
प्रेरणा

से उसकी आखिरी इच्छा पूछी। राजन! मैंने आज्ञाकारी सेवक के रूप में आपकी 10 सालों से सेवा की है... मैं सजा पाने से पहले आपसे 10 दिनों की मोहलत चाहता हूं। मंत्री ने राजा से निवेदन किया राजा ने उसकी बात मान ली। दस दिन बाद राजा के सैनिक मंत्री को पकड़ कर लाते हैं और राजा का इशारा पाते ही उसे खूंखार कुत्तों के सामने फेंक देते हैं। परंतु यह क्या कुत्ते मंत्री पर टूट पड़ने की बाजए अपनी पूंछ हिला-हिला कर मंत्री के ऊपर कूदने लगते हैं। राजा आश्चर्य से यह सब देख रहा था? वे इस तरह क्यों व्यवहार कर रहे हैं? आखिरकार राजा ने मंत्री से पूछा- ये कुत्ते तुम्हे काटने की बजाये तुम्हारे साथ खेल क्यों रहे हैं? राजन! मैंने आप से जो 10 दिनों की मोहलत ली थी, उसका एक-एक क्षण मैं इन बेजुबानो की सेवा करने में लगा दिया। ये कुत्ते खूंखार और जंगली होकर भी मेरे दस दिन की सेवा नहीं भुला पा रहे हैं परंतु खेद है कि आप प्रजा के पालक हो कर भी मेरी 10 वर्षों की स्वामीभक्ति भूल गए और मेरी एक छोटी सी त्रुटि पर इतनी बड़ी सजा सुन दी! राजा को अपनी भूल का एहसास हो चुका था, उसने तत्काल मंत्री को आज़ाद करने का हुक्म दिया।

सटाका

आज की पाती

साइबर ठगी से बचाव की समझ ही सबसे बड़ी सुरक्षा

देश में तेजी से बढ़ रही साइबर ठगी और फर्जी निवेश योजनाएं आज युवाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी हैं। बेरोजगारी और जल्दी अमीर बनने की चाह का फायदा उठाकर ठग नए-नए तरीके अपनाते हैं। हाल ही में वाराणसी में साइबर क्राइम पुलिस ने एक ऐसे अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया जिसने मल्टी लेवल मार्केटिंग और पिरामिड स्कीम के नाम पर एक हजार से अधिक युवाओं से करोड़ों रुपए की ठगी की। जांच में सामने आया कि मास्टरमाइंड के बैंक खातों में केवल सात महीनों के भीतर चार करोड़ रुपए से अधिक का लेनदेन हुआ। यह मामला बताता है कि साइबर ठगी अब केवल मोबाइल या इंटरनेट तक सीमित नहीं रही बल्कि संगठित नेटवर्क के रूप में युवाओं को अपना शिकार बना रही है। -विजय गौड़, सोनीपत

ट्रेंड

भारत को मजबूती दे रहे

जब चौतरफा विकास के साथ हर देशवासी के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन सुनिश्चित होता है, तब राष्ट्र की प्रगति को भी नई गति मिलती है। इसी प्रेरक भावना के साथ हम भारत के सामर्थ्य को निरंतर मजबूती देने में जुटे हुए है। -नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

राहुल गांधी ही चेहरा

पंजाब की जनता के मन में कोई भी किंतु और परंतु नहीं है। पंजाब का मतदाता लोकसभा चुनाव की तरह ही विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी जी पर भरोसा कर रहा है। कांग्रेस पार्टी का पंजाब में एक ही चेहरा है, वो है राहुल गांधी। सभी कार्यकर्ता कांग्रेस को जिताने के लिए एकजुट हों। -भूपेश बघेल, कांग्रेस प्रभारी, पंजाब

रथ यात्रा में भाग लेगी सरकार

कोलकाता में हर साल कई रथ यात्रा समारोह आयोजित किए जाते है। हमारी सरकार ने इस वर्ष की रथ यात्रा में सक्रिय रूप से भाग लेने का निर्णय लिया है। सरकार ने 60 प्रतिष्ठित रथ यात्रा समितियों को पांच-पांच लाख रुपये का अनुदान देने का फैसला किया है। -शुभेंदु अधिकारी, सीएम, पश्चिम बंगाल

भाजपा का मॉडल बेनकाब

भाजपा का 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) से डायरेक्ट वोट ट्रांसफर' का मॉडल पूरी तरह बेनकाब हो चुका है। पार्टी चुनाव से पहले आर्थिक सहायता देकर मतदाताओं को लुभाती है और चुनाव जीतने के बाद इन योजनाओं को बंद कर देती है।" -अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

करंट अफेयर

नेपाल में कवि भानुभक्त की 213वीं जयंती मनाई गई

नेपाल ने 19वीं सदी के कवि भानुभक्त आचार्य की जयंती सोमवार को विभिन्न आयोजनों के साथ मनाई। भानुभक्त ने वाल्मीकि रामायण का नेपाली भाषा में अनुवाद किया था। भानुभक्त आचार्य को नेपाली भाषा के पहले कवि के रूप में व्यापक रूप से सम्मान दिया जाता है। कवि की 213वीं जयंती के अवसर पर भानु प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रतिनिधि सभा के स्पीकर डोल कुमार आर्याल ने उन्हें नेपाली भाषा, साहित्य और संस्कृति का अग्रदूत बताया। आर्याल ने कहा कि रामायण का नेपाली भाषा में अनुवाद करके उन्होंने नेपाल के लोगों को धर्म, दर्शन, नीति और विचारधारा से परिचित कराया। उन्होंने कहा, 'भानुभक्त ने हमें रामायण दी और इसके माध्यम से नेपाली साहित्य को एक ऐसा महाकाव्य मिला, जो आज भी पीढ़ियों को प्रेरित कर रहा है।' एक अन्य कार्यक्रम में विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा कि जहां राजा पृथ्वी नारायण शाह ने नेपाल के भू-भाग को एकजुट किया, वहीं भानुभक्त आचार्य ने भाषा और साहित्य के माध्यम से इसके लोगों को एक सूत्र में बांधा।

ऑफ बीट

ब्रह्मांड का केंद्र कहां है?

पृथ्वी पर, 'विस्तार' का मतलब है कि कुछ बड़ा हो रहा है। और ब्रह्मांड के संबंध में, यह सच है, कुछ हद तक। विस्तार का मतलब यह भी हो सकता है कि 'सब कुछ हमसे दूर होता जा रहा है', जो ब्रह्मांड के संबंध में भी सच है। दूर स्थित आकाशगंगाओं पर दूरबीन घुमाएं तो वे सभी हमसे दूर जाती हुई प्रतीत होंगी। इसके अलावा, वे

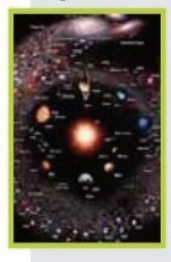

जितनी दूर होती हैं, उतनी ही तेजी से आगे बढ़ती हुई दिखाई देती हैं। वे आकाशगंगाएं एक-दूसरे से दूर होती हुई भी दिखाई देती हैं। इसलिए यह कहना अधिक सटीक होगा कि ब्रह्मांड में हर चीज़ एक साथ हर चीज़ से दूर होती जा रही है। यह विचार सूक्ष्म लेकिन महत्वपूर्ण है। इसलिए यह पूछना कि ब्रह्मांड का केंद्र कहां है, कुछ हद तक यह पूछने जैसा है कि गुब्बारे की सतह का केंद्र कहां है? ऐसा कोई केंद्र नहीं है। आप गुब्बारे की सतह पर किसी भी दिशा में, जितनी देर चाहें, यात्रा कर सकते हैं, और आप कभी भी ऐसी जगह पर नहीं पहुंचेंगे जिसे आप इसका केंद्र कह सकें क्योंकि आप वास्तव में सतह से कभी बाहर ही नहीं निकलेंगे। इसी तरह, आप ब्रह्मांड में किसी भी दिशा में यात्रा कर सकते हैं और कभी भी उसका केन्द्र नहीं पा सकेंगे, क्योंकि गुब्बारे की सतह की तरह, इसका भी कोई केन्द्र नहीं है।

14 सितंबर से सुर, ताल और घुंघरुओं की झंकार से गूंजेगा 41 वें चक्रधर समारोह का मंच

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।रायगढ़ जिले की सांस्कृतिक पहचान और ऐतिहासिक विरासत का प्रतीक 41वें चक्रधर समारोह-2026 इस वर्ष 14 से 23 सितंबर 2026 तक स्थानीय रामलीला मैदान में आयोजित होगा। दस दिवसीय इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सांस्कृतिक आयोजन को भव्य, सुव्यवस्थित और यादगार बनाने के लिए आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलाकार चयन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर एवं चक्रधर समारोह आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री मयंक चतुर्वेदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में कलाकारों के चयन, कार्यक्रम की रूपरेखा तथा आयोजन की प्रशासनिक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने कहा कि चक्रधर समारोह केवल शास्त्रीय कला का मंच नहीं, बल्कि रायगढ़ और छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने निर्देश दिए कि इस वर्ष आयोजन में स्थानीय कलाकारों, नवोदित प्रतिभाओं तथा छत्तीसगढ़ की लोक कला एवं लोक संस्कृति को विशेष स्थान दिया जाए, ताकि क्षेत्रीय सांस्कृतिक विरासत का प्रभावी प्रदर्शन हो सके। बैठक में निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ-साथ रायगढ़ और प्रदेश के लोक कलाकारों को भी पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। छत्तीसगढ़ी लोकगीत, लोकनृत्य, पारंपरिक सांस्कृतिक विधाओं तथा स्थानीय प्रतिभाओं की प्रस्तुति समारोह का विशेष आकर्षण होगी। इससे प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय मंच पर नई पहचान मिलेगी। समारोह के दौरान शास्त्रीय गायन, वादन, नृत्य, लोक कला और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का संतुलित कार्यक्रम तैयार करने पर समिति ने विस्तार से विचार-विमर्श किया। विशेषज्ञों ने कार्यक्रमों की समय-सारिणी, प्रस्तुति की गुणवत्ता तथा दर्शकों की रुचि को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिन्हें आयोजन की अंतिम रूपरेखा में शामिल किया जाएगा।

बैठक में मोती महल रायगढ़ (राज परिवार) से श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह एवं सुश्री उर्वशी देवी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिजीत बबन पठारे, एडीएम श्री अपूर्व प्रियेश टोप्पो, सहायक कलेक्टर श्री गोकुल आर.के. संयुक्त कलेक्टर श्रीमती पूजा बंसल, प्रो. अम्बिका वर्मा, प्रदेश संयोजक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ श्री अनुपम पाल, कलाकार श्री भूपेन्द्र बरेठ तथा प्राचार्य श्री राजेश डेनियल सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं को लेकर विभागों को मिले निर्देश

बैठक में रामलीला मैदान में मंच निर्माण, आकर्षक सज्जा, दर्शक दीर्घा, ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, पेयजल, स्वच्छता तथा अन्य जनसुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए संबंधित विभागों को विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। आयोजन के प्रत्येक पहलू में विभागीय समन्वय सुनिश्चित करने पर भी विशेष जोर दिया गया।

सांस्कृतिक गरिमा और भव्यता के साथ होगा आयोजन

बैठक में आयोजन समिति ने विश्वास व्यक्त किया कि इस वर्ष का 41वां चक्रधर समारोह सांस्कृतिक गरिमा, उत्कृष्ट व्यवस्थाओं और उच्चस्तरीय प्रस्तुतियों के कारण पहले से अधिक भव्य और ऐतिहासिक होगा। राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों के साथ स्थानीय एवं छत्तीसगढ़ी लोक कलाकारों की सहभागिता समारोह को नई पहचान देगी तथा रायगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को देशभर में और अधिक प्रतिष्ठा दिलाएगी।

वन विभाग की मदद से पुनर्वासित युवा स्वरोजगार से बने आत्मनिर्भर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर ।छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार वनांचल क्षेत्रों में विकास और पुनर्वास के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रही है। इसी कड़ी में बीजापुर वनमंडल की एक बेहतरीन पहल सामने आई है, जिसने पुनर्वासित युवाओं और स्थानीय ग्रामीणों के जीवन में खुशहाली का नया सवेरा ला दिया है। वन विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई 17 लाख रुपये की आर्थिक सहायता से चार युवाओं ने अपना स्वरोजगार शुरू कर विकास की मुख्यधारा से जुड़ने की एक नई शुरूआत की है।

लाभांश और चक्रीय निधि का मिला सहारा

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वन मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में वनमंडल बीजापुर ने यह अनूठी पहल की है। विभाग ने वन प्रबंधन समितियों के खातों में जमा लाभांश और चक्रीय निधि (रिवॉल्विंग फंड) का सदुपयोग करते हुए चार हितग्राहियों को कुल 17 लाख रुपये का ऋण उपलब्ध कराया है, ताकि वे सम्मानजनक आजीविका हासिल कर सकें।

किराना दुकान से लेकर ट्रैक्टर-ट्रॉली तक के लिए मिली मदद

वन विभाग ने पामेड़ और आवापल्ली परिक्षेत्र के चार ग्रामीणों को उनकी जरूरत के अनुसार आर्थिक मदद दी है। तीन हितग्राहियों को किराना दुकान शुरू करने के लिए क्रमशः 2 लाख रुपये, 3 लाख रुपये और 2 लाख रुपये का ऋण दिया गया। एक हितग्राही को ट्रैक्टर, ट्रॉली और डोजर खरीदने के लिए 10 लाख रुपये की बड़ी वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

इन युवाओं के जीवन में आया बदलाव

इस योजना का सीधा लाभ उठाने वाले भाग्यशाली हितग्राहियों में श्री दिलीप बीराबोईन (कोतापल्ली), श्री दिनेश कुमार कचलम (मुरदोंडा), श्रीमती जोशिला भगत (कोतापल्ली), श्री नागुल सत्यनारायण (आवापल्ली) शामिल हैं। आर्थिक मदद मिलते ही इन सभी ने अपने कदम स्वरोजगार की ओर बढ़ा दिए हैं। अब वे न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि आत्मनिर्भरता का एक नया उदाहरण भी पेश कर रहे हैं।

मुख्यधारा से जोड़ने और शांति बहाली का प्रयास

यह पहल केवल लोन बांटने तक सीमित नहीं है। इसका मुख्य उद्देश्य पुनर्वासित युवाओं और सुदूर वनांचल के ग्रामीणों को एक सम्मानजनक जीवन देना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। इससे क्षेत्र में शांति, आपसी विश्वास और समावेशी विकास को और मजबूती मिलेगी। आने वाले समय में भी ऐसे पात्र हितग्राहियों को आजीविका से जुड़ी योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने का काम जारी रहेगा।

[redacted]

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक श्याम लाल केसरी आ० स्व० द्वारिका प्रसाद केसरी, निवासी खुटेनपारा, अम्बिकापुर. तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-02 मोहल्ला खुटेनपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 403, 404/2 रकबा 121.4. 40.4 वर्गमीटर भूमि पर प्रस्तावित नक्शानुसार अनुसार भूतल पर रकबा 100.4 वर्गमीटर, प्रथम तल पर रकबा 100.7 वर्गमीटर, द्वितीय तल पर रकबा 100.7 वर्गमीटर पर आवासीय भवन निर्माण कराने हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित नक्शा की प्रति सहित आवेदन पत्र न्यायालय अपर कलेक्टर, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० में प्रस्तुत किया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 27/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 08/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

शपथ पत्र

मैं संत कुमार कुशवाहा आ० बैजनाथ प्रसाद उम्र लग0-38 वर्ष, जाति-कोइरी निवासी-कुसमुसी तहसील भैयाथान जिला-सूरजपुर (छ.ग.) का निम्नांकित शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँकि मैं उपरोक्त पते का निवासी हूँ, तथा मेरी पुत्री के नाम से आधार कार्ड क्रमांक 2465-4091-9084 बना है, जिसमें मेरी पुत्री का नाम ईच्छा कुशवाहा (ICCHHA KUSHWAHA) है। जो त्रुटिपूर्ण है।

मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरी पुत्री के नाम से जारी आनलाईन जन्म प्रमाण पत्र में मेरी पुत्री का नाम ईच्छा कुशवाहा (ICHCHHA KUSHWAHA) अंकित है. जो सत्य व सही है। मैं शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मेरी पुत्री के अधार कार्ड में अंकित त्रुटिपूर्ण नाम को विलोपित कराकर, उसके जन्म प्रमाण पत्र में अंकित वास्तविक नाम के आधार पर अपनी पुत्री के आधार कार्ड में नाम सुधार कराना चाहता हूँ, जिसके संबंध में शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथकर्ता

न्यायालय कलेक्टर जिला-सूरजपुर छत्तीसगढ़
उपस्थिति हेतु सूचना
रा.प्र.क्र.202505260100012 /धारा-91/2025-26

चन्द्रवती, प्रति शालनी सिंह वगै.
जारी दिनांक 08/07/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे न्यायालय में रा.प्र.क.202505260100012/ धारा-91/ 2025-26 पक्षकार चन्द्रवती प्रति शालनी सिंह वगै. ग्राम-चन्दननगर तहसील-प्रेमनगर में विचाराधीन है। उपरोक्त प्रकरण में उत्तरवादी ललिता आ. कैलास उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम चन्दननगर तहसील-प्रेमनगर जिला सूरजपुर (छ.ग.) को, नोटिस तामिल न होने से इस सूचना के माध्यम से उत्तरवादी ललिता आ. कैलास उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम-चन्दननगर तहसील-प्रेमनगर को सूचित किया जाता है कि आगामी पेशी दिनांक 22/07/2026 को मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि को अनुपस्थित रहने की दशा में एकपक्षीय नियत करते हुए प्रकरण में आगामी कार्यवाही की जावेगी। आज दिनांक 8/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से ईश्तहार जारी किया गया।

(रेना जमील)
कलेक्टर
जिला-सूरजपुर सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार पत्थलगांव, जिला-जशपुर (छ०ग०)
रा०मा०क०-202607030900014/ अ-21(5)/2025-26
ग्राम पत्थलगांव, तहसील पत्थलगांव
ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता नगर पालिका परिषद, पत्थलगांव को सूचित किया जाता है. कि आवेदक / दानकर्ता अजय कुमार पिता साधु राम जाति-अग्रवाल जाति-अग्रवाल निवासी ग्राम/तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर (छ०ग०) के द्वारा ग्राम-पत्थलगांव, प०ह०नं० 06 रा०नि०सं० व तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर छ०ग० में स्थित अपने स्वामित्व की व्यपवर्तित भूमि ख0नं0 38/6 रकबा 0.017 हे० भूमि को दानकर्ता/अनावेदक मयंक अग्रवाल पिता अजय कुमार अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी ग्राम/तहसील-पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ०ग०) के पक्ष में पंजीकृत दान पत्र के माध्यम से अन्तरण किये जाने की अनुमति प्रदाय करने हेतु कलेक्टर महोदय जशपुर (छ०ग०) को आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर प्रकरण अनुविभागीय अधिकारी (रा०) पत्थलगांव के माध्यम से इस न्यायालय को जाँच कर प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। उक्त प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त व्यपवर्तित भूमि का पंजीकृत दान पत्र के माध्यम से अन्तरण की अनुमति के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो वह स्वंय अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज दावा या आपत्ति दिनांक 30/07/2026 तक न्यायालय में पेश कर सकता है। नियत समय पश्चात्प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायाख्य की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
पत्थलगांव, जिला-जशपुर

क्षेत्र में दहशत, अज्ञात जंगली जानवर ने गाय की बछिया को बनाया शिकार

विंध्याचल। क्षेत्र में किसी बड़े जंगली जानवर की मौजूदगी की आशंका से ग्रामीणों में भय का माहौल व्याप्त है। रविवार और सोमवार की दरमियानी रात करीब 1 से 2 बजे के बीच शिवपुर क्षेत्र के कोइरान बस्ती में एक गाय की बछिया को अज्ञात जंगली जानवर ने अपना शिकार बना लिया। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत फैल गई है और आसपास के कई गांवों में भी इसकी चर्चा तेज हो गई है। कोइरान बस्ती निवासी चंद्रप्रकाश पूरी ने बताया कि रात करीब 1 से 2 बजे के बीच उनके घर में बंधी गाय और उसकी बछिया लगातार आवाज कर रही थीं।

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष
ग्राम- परसिया प.ह.न. ०1
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक.. अशोक कुमार पिता रामकरन जाति घासी निवासी ग्राम परसीया प.ह.न. रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पिता रामकरन शोभनाथ का मृत्यु दिनांक 01.07.2010 को परसीया में हुई है।अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पिता स्व. राममरन का का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत परसीया को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 23.07.2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 14.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
भैयाथान

सूचना

मैं सुशील कुमार बंसल आ० श्रीराम अग्रवाल उम्र 57 वर्ष, निवासी सदर रोड़, अग्रसेन वार्ड, जयस्तम्भ चौंक अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० का निवासी हूं। सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र दिव्यांश बंसल के उइरए 10 वीं बोर्ड परीक्षा वर्ष 2024 के अंकसूची प्रमाण पत्र में मेरा नाम त्रुटि हो गई है।

यह कि मेरा सही नाम सुशील कुमार बंसल है। जो मेरे आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में दर्ज है। जो सत्य एवं सही है। किन्तु त्रुटिवश मेरे पुत्र के कक्षा 10 के अंकसूची प्रमाण पत्र में मेरा नाम केवल सुशील बंसल दर्ज हो गया है। जिसे संशोधन कर मेरा पुरा नाम पुत्र के अंकसूची प्रमाण पत्र में सुशील कुमार बंसल दर्ज करवाना चाहता हूं। और इसी नाम को सभी जगह पढ़ा लिखा जाये। यदि इस संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था / विभाग को कोई आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर संबंधित विभाग को लिखित में सूचित करें।

न्यायालय कलेक्टर जिला-सूरजपुर छत्तीसगढ़
उपस्थिति हेतु सूचना
रा.प्र.क्र.202505260100012 /धारा-91/2025-26
चन्द्रवती, प्रति शालनी सिंह वगै.
जारी दिनांक 08/07/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे न्यायालय में रा.प्र.क.202505260100012/ धारा-91/ 2025-26 पक्षकार चन्द्रवती प्रति शालनी सिंह वगै. ग्राम-चन्दननगर तहसील- प्रेमनगर में विचाराधीन है। उपरोक्त प्रकरण में उत्तरवादी ललिता आ. कैलास उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम चन्दननगर तहसील-प्रेमनगर जिला सूरजपुर (छ.ग.) को, नोटिस तामिल न होने से इस सूचना के माध्यम से उत्तरवादी ललिता आ. कैलास उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम-चन्दननगर तहसील-प्रेमनगर को सूचित किया जाता है कि आगामी पेशी दिनांक 22/07/2026 को मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि को अनुपस्थित रहने की दशा में एकपक्षीय नियत करते हुए प्रकरण में आगामी कार्यवाही की जावेगी। आज दिनांक 8/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से ईश्तहार जारी किया गया।

ईश्तहार जारी किया गया।

(रेना जमील)
कलेक्टर
जिला-सूरजपुर सूरजपुर

सलोन में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत हुआ पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

सलोन, रायबरेली। उत्तर प्रदेश सरकार के एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत रायबरेली जनपद की सलोन विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय कार्य समिति सदस्य विवेक त्रिपाठी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल प्रकृति की धरोहर ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार भी हैं। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक को पौधारोपण करना चाहिए और लगाए गए पौधों की देखभाल का भी संकल्प लेना चाहिए।

बभनी पुलिस द्वारा पॉक्सो एक्ट के वांछित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त अजय पुत्र जवाहर लाल, निवासी ग्राम करकच्छी, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र, उम्र लगभग 21 वर्ष, को दिनांक 13.07.2026 को ग्राम करकच्छी में दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया गया।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत चला व्यापक स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सोनभद्र। संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत मंगलवार को जनपद सोनभद्र में व्यापक स्तर पर स्वच्छता एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के तहत गांवों में साफ-सफाई, झाड़ियों की कटाई, खराब हैंडपंपों का चिन्हीकरण, नालियों की सफाई सहित विभिन्न गतिविधियां संचालित की गईं। जिलाधिकारी के निदेशानुसार उच्च जोखिम वाले ग्रामों में माइक्रोप्लान के अनुसार विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें सफाईकर्मी, पंचायत सहायक, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्राम प्रधानों की सक्रिय सहभागिता रही। इस दौरान लोगों को संचारी एवं संक्रामक रोगों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के अंतर्गत जनपद के विद्यालयों में संचारी रोग जागरूकता रैलियां निकाली गईं। ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों द्वारा प्रभात फेरियां आयोजित की गईं, जबकि ग्राम पंचायत अधिकारियों द्वारा ग्रामों में सभाओं का आयोजन कर ग्रामीणों को स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के दौरान गांवों में नालियों की सफाई, स्थानों पर झाड़ियों की कटाई, हैंडपंपों की मरम्मत, हैंडपंप चबूतरों की मरम्मत तथा शौचालयों का निर्माण कराया गया। वहीं नगर पंचायत क्षेत्रों में स्थानों पर नालियों की सफाई एवं वार्डों में फॉगिंग कराई गई।

न्यायालय कलेक्टर जिला-सूरजपुर छत्तीसगढ़
उपस्थिति हेतु सूचना
रा.प्र.क्र.202505260100012/धारा-91/2025-26
चन्द्रवती, प्रति शालनी सिंह वगै.
जारी दिनांक 08/07/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे न्यायालय में रा.प्र.क.202505260100012/ धारा-91/ 2025-26 पक्षकार चन्द्रवती प्रति शालनी सिंह वगै. ग्राम-चन्दननगर तहसील- प्रेमनगर में विचाराधीन है। उपरोक्त प्रकरण में उत्तरवादी ललिता आ. कैलास उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम चन्दननगर तहसील-प्रेमनगर जिला सूरजपुर (छ.ग.) को, नोटिस तामिल न होने से इस सूचना के माध्यम से उत्तरवादी ललिता आ. कैलास उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम-चन्दननगर तहसील-प्रेमनगर को सूचित किया जाता है कि आगामी पेशी दिनांक 22/07/2026 को मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि को अनुपस्थित रहने की दशा में एकपक्षीय नियत करते हुए प्रकरण में आगामी कार्यवाही की जावेगी। आज दिनांक 8/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से ईश्तहार जारी किया गया।

(रेना जमील)
कलेक्टर
जिला-सूरजपुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र० //अ-20 (3)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अमन अग्रवाल माता मधु अग्रवाल, निवासी मुख्य मार्ग मेन रोड़ सूरजपुर, जिला सूरजपुर छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-09 मोहल्ला- बाबूपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3467/4866/205 रकबा 1950 वर्गफीट भूमि को बैक में बंधक रखने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेन्टनेंस खसरा की प्रतिलिपि सहित पेश किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 27/07/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 10/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/20(1)/2020-2026
ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण सो सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका नवनीत सोनी आ०/पति राजेन्द्र प्रसाद सोनी व 01 अन्य जाति निवासी ब्रम्ह मंदिर रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला न्यू महामाया रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1415/7 रकबा 4356 बर्गफीट भूमि का लीज अवि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 24.07.2026 एक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दाना/आपति पर कोई विवार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 09.07.2026 को मेरे हर एंप्यायलीन पनमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/20(1)/2020-2026
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाध्वरण को सूचित किया जाता है कि आदेदक/आवेदिका श्रीमती रेनू सोनी अव०/पति नवनीत सोनी जाति निवासी ब्रम्ह मंदिर रोड़ अम्बिकापुर तहसील अंबिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला देवीगंज रोड़, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1151/1 रकबा 1415.70 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अधवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 24.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 09.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/20(1)/2020-2026
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती रेणू सोनी आ०/पति नवनीत सोनी जाति निवासी ब्रम्ह मंदिर रोड़ अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-सत्तीपारा, शीट नम्बर-2 मगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 758/19 रकबा 0.15 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को बोई दाता अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 24.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्रापा दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 09.07.2026 को मेरे हस्ताहार एन न्यायाल्लीन पयमुद्रा से जारी

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका नवनीत सोनी आ०/पति राजेन्द्र प्रसाद सोनी जाति निवासी ब्रम्ह मंदिर रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-सत्तीपारा, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 763/3. 762/2, 764/2 रकबा 0.05 1/2, 3485, 11979 एकड/वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 24.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांकः- 09.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

मैथ्यू पेरी डेथ केस में आया अपडेट, निजी सहायक इवामासा को 41 महीने की सजा

अभिनेता मैथ्यू पेरी मामले में उनके निजी सहायक केनेथ इवामासा ने अपना जुर्म अदालत के सामने स्वीकार कर लिया है। इसके बाद उन्हें कड़ी

सजा सुनाई गई। मशहूर अभिनेता मैथ्यू पेरी ड्रग ओवरडोज की वजह से जिंदगी से हार गए थे। इस मामले के आरोपी केनेथ इवामासा ने अपना गुनाह को कुबूल कर लिया है। उन्होंने अदालत के सामने मैथ्यू को केटामाइन देने की बात स्वीकार की, जिसमें वो डोज भी शामिल हैं जो पेरी की मौत का कारण बनी। एक्टर मैथ्यू पेरी के निजी सहायक पर उन्हें ड्रग की घातक डोज उपलब्ध कराने के आरोप हैं। इस मामले में केनेथ इवामासा ने खुद अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि मैथ्यू को केटामाइन का इंजेक्शन उन्होंने ही दिया था। इसके बाद इस मामले में पांच लोगों पर चल रहे मुकदमे का अंत हो गया। इस पर न्यायाधीश शेरिलिन गार्नेट ने आरोपी केनेथ इवामासा को 41 महीनों की सजा सुनाई। इससे पहले जसवीन संघा ने भी अपना गुनाह कुबूल कर लिया था। उन्होंने अदालत से कहा था, 'इस दुखद घटना की वजह बने हालात में मैंने जो भूमिका निभाई और जो काम किए मैं उनकी पूरी जिम्मेदारी लेती हूं। मैं समझती हूं कि मेरा बर्ताव यानी ड्रग्स का धंधा चलाना और उसी रास्ते पर चलते रहना लापरवाही भरा, खतरनाक और गलत था'। अदालत ने जसवीन को 15 साल की सजा सुनाई थी। हॉलीवुड एक्टर मैथ्यू पेरी का साल 2023 में निधन हो गया था। उन्हें उनके लॉस एंजिल्स स्थित घर पर मृत पाया गया था, जिसके बाद मौत के कारण की जांच हुई।

टॉलीवुड

अक्किनेनी की 'लेनिन'फिर टली, फैसले के पीछे की वजह को लेकर हो रही चर्चा

अखिल अक्किनेनी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'लेनिन' की रिलीज एक बार फिर टल गई है। यह तीसरी बार है जब फिल्म की रिलीज डेट बदली गई है। फिल्म 'लेनिन' पहले 26 जून को सिनेमाघरों में आने वाली थी, लेकिन अब इसे आगे बढ़ा दिया गया है। मेकर्स ने इसकी नई रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी है। इस बार फिल्म टालने की सबसे बड़ी वजह राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' का शानदार प्रदर्शन बताया जा रहा है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई कर रही है और दुनियाभर में लगभग 400 करोड़ रुपये के करीब पहुंच रही है। मेकर्स का कहना है कि 'पेद्दी' अभी सिनेमाघरों में अच्छा चल रही है, इसलिए ज्यादा से ज्यादा स्क्रीन उसी को मिल रही हैं। ऐसे में 'लेनिन' को थोड़ा आगे बढ़ाना सही फैसला लगा। अखिल अक्किनेनी की मच अवेटेड फिल्म लेनिन का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। लेकिन मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट को फिर से आगे बढ़ा दिया है। अब फिल्म 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके साथ मेकर्स ने वजह का भी खुलासा किया है। फिल्म के प्रोड्यूसर नागार्जुन ने एक्स पर नई रिलीज डेट का ऐलान करते हुए लिखा कि टीम ने उनसे थोड़ा और समय मांगा था ताकि फिल्म को और बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने लिखा, 'लेनिन की टीम मेरे पास आई और कहा कि उन्हें फिल्म को 100% देने के लिए थोड़ा और वक्त चाहिए। उनके जुनून को देखकर मैंने हां कर दी। हमारा लड़का 10 जुलाई को आ रहा है। इस बार आपको एक नया अखिल देखने को मिलेगा।' इस फिल्म को डायरेक्टर मुरली किशोर अब्बुरु ने बनाया है, जिसमें भाग्यश्री बोरसे फीमेल लीड में हैं। फिल्म को नागार्जुन और सूर्यदेवरा नागा वंशी ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

भोजपुरी

पिया रखी सेनूरा के लाज' ट्रेलर में बोली पत्नी- मैं मां नहीं बन सकी

पारिवारिक भोजपुरी सिनेमा की फिल्म 'पिया रखीह सेनूरा के लाज' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म की कहानी एक ऐसे दंपती के इर्द-गिर्द घूमती है, जो निःसंतान होने के कारण समाज के तानों और पारिवारिक दबावों का सामना कर रहा है। अब रुक्मणि सरपंच के सामने कहती हैं- जब इनको पता लगा कि मैं मां नहीं बन सकती तो ये मेरी बहन के साथ अय्याशी करने लगे।

भोजपुरी सिनेमा की पारिवारिक फिल्म 'पिया रखीह सेनूरा के लाज' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ये एक इमोशनल और पारिवारिक कहानी है जिसमें प्रेम, त्याग, पारिवारिक रिश्तों और सामाजिक दबावों के बीच संघर्ष दिखाई गई है। ये सीधे दर्शकों के दिलों को छूने में सफल दिख रही, जो एक साफ-सुथरी भोजपुरी फिल्म नजर आ रही है। फिल्म की कहानी एक ऐसे दंपती के इर्द-गिर्द घूमती है, जो निःसंतान होने के कारण समाज के तानों और पारिवारिक दबावों का सामना कर रहा है। परिस्थितियां तब और जटिल हो जाती हैं, जब परिवार के भीतर लिया गया एक कठिन फैसला रिश्तों की नींव को हिला देता है। ट्रेलर में कई भावुक और रोमांचक दृश्य देखने को मिलते हैं, जो यह सवाल छोड़ जाते हैं कि क्या यह दंपती अपने रिश्ते की गरिमा और सिंदूर की लाज को बचा पाएगा या नहीं। यही बातें फिल्म को और अधिक आकर्षक बनाती हैं।

पर्यावरण के लिए

लाइफ स्टाइल

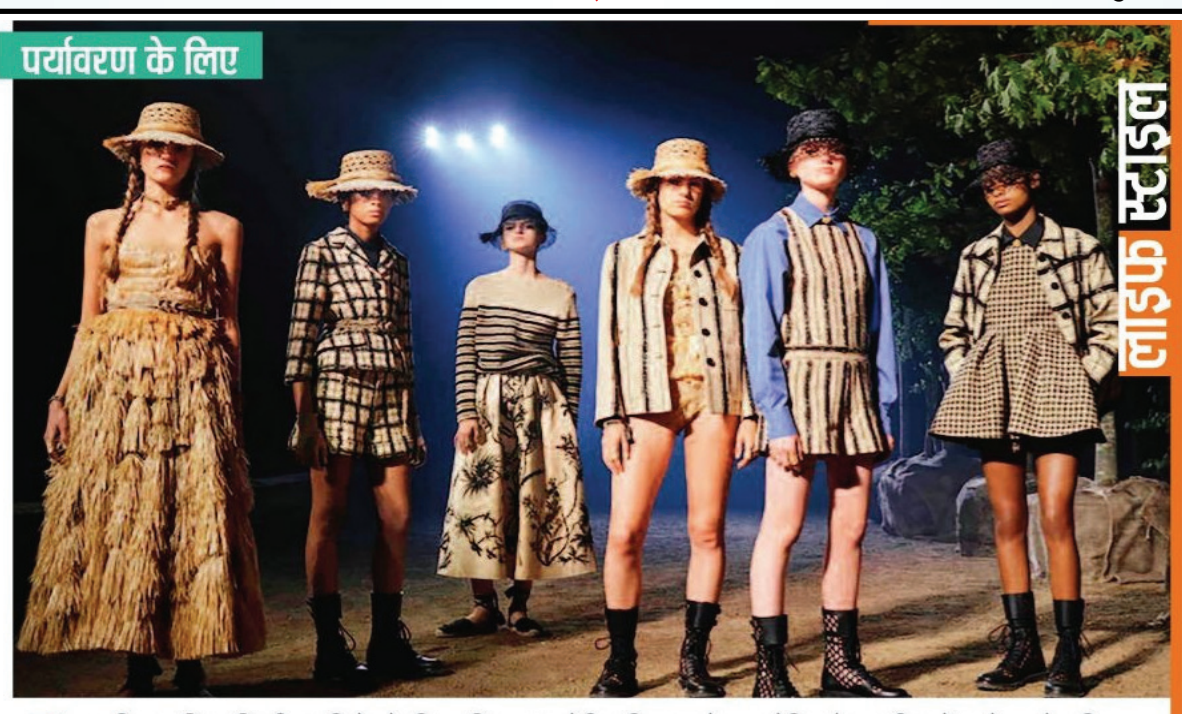

मारिया ग्राज़िया चियूरी का डियोर के लिए स्प्रिंग-समर रेडी टू वियर कलेक्शन पेरिस फैशन वीक में रनवे पर पेश किया गया। खास बात यह रही कि इस शो ने किसी को निराश नहीं किया। यह कलेक्शन क्रिश्चियन डियोर की बहन, कैथरीन डियोर की तस्वीरों से प्रेरित रहा, जो परिवार के बगीचों की देखभाल करती थीं। इस कलेक्शन के कपड़ों पर न सिर्फ़ पेड़-पौधे और जीव-जंतुओं के डिज़ाइन दिखाए गए, बल्कि डिज़ाइनर ने शो की मंच-सज्जा के लिए शानदार काम किया।

बरसात में चेहरे की करें खास तरीके से हिफाजत, पिंपल्स और दाग-धब्बे करें दूर

जून का महीना चल रहा है, ऐसे में बारिश कभी-कभी दस्तक दे रही है। हालांकि अभी अच्छी तरह बारिश शुरू नहीं हुई है लेकिन कई संवेदनशील लोगों की त्वचा इस प्री-मानसून बारिश पर भी काफी डैमेज हो जाती है। ऐसे में स्किन का खास ध्यान रखना बेहद जरूरी हो जाता है। यदि आप भी अपने चेहरे की चमक को खोना नहीं चाहते तो बारिश के मौसम में अपनी त्वचा का खास ध्यान रखें। यहां हम आपको मानसून में स्किन केयर करने के लिए कुछ टिप्स देने जा रहे हैं, ताकि आपका चेहरा भी खिला-खिला रहे।

त्वचा को रखें साफ

बारिश के मौसम में स्किन को साफ रखना बेहद जरूरी है। यदि आप ऐसा नहीं करेंगे तो इसकी वजह से फंगल इंफेक्शन होने की संभावना बढ़ जाएगी। इस मौसम में त्वचा पर गंदगी काफी चिपकती है, इसलिए शाम को सोने से पहले भी एक बार नहा लें। अगर नहा नहीं पा रहे हैं तो अपने चेहरे को माइल्ड

क्लींजर की मदद से अच्छे से साफ करें।

मॉइश्चराइजर है जरूरी

बारिश के मौसम में च्वचा काफी चिपचिपी हो जाती है, ऐसे में लोग मॉइश्चराइज का इस्तेमाल करना बंद कर देते हैं, जबकि ऐसा नहीं करना चाहिए। इस मौसम में हल्के और जेल बेस्ड मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें, ताकि आपकी स्किन हाइड्रेट रहे। ऐसा न करने पर त्वचा की नमी खोने लगेगी।

सनस्क्रीन को तो बिल्कुल न भूलें

बारिश के मौसम में भले ही धूप काफी कम हो जाती है, लेकिन यदि आप सनस्क्रीन का इस्तेमाल नहीं करेंगे तो इससे आपकी डैमेज होने लगेगी। इसलिए बारिश के मौसम में भी सनस्क्रीन को अपना दोस्त बनाकर रखएं, ताकि धूप की किरणें आपको नुकसान न पहुंचा सकें।

हफ्ते में दो बार स्क्रब

बारिश का मौसम शुरू होने से पहले ये जान लें कि इस मौसम में हफ्ते में कम से कम दो बार स्क्रब करना बेहद जरूरी है। यदि आप ऐसा नहीं करेंगे तो आपकी स्किन की डीप क्लीनिंग नहीं हो जाएगी, जिस कारण चेहरे पर मुंहासों जैसी दिक्कते बढ़ सकती हैं।

हफ्ते में एक बार फेस पैक लगाएं

त्वचा को दमकाने के लिए हफ्ते में कम से कम एक बार अपनी स्किन टाइप के हिसाब से फेस पैक इस्तेमाल करें।

ऑफिस और कॉलेज में चाहिए न्यू लुक, तो कुर्ती इस तरह करें स्टाइल

कुर्ती ऑफिस और कॉलेज में पहनने के लिए एक बेस्ट ऑप्शन है। अगर आप कुर्ती में सुंदर नजर आना चाहती हैं, तो इस आर्टिकल में दी गई स्टाइलिश टिप्स को फॉलो कर सकती हैं।

हर महिला चाहती है कि वह खूबसूरत और सबसे अलग दिखे। इसके लिए व यूनिक लुक अपनाना पसंद करती है। अगर आप भी ऐसा चाहती हैं, तो आप कुर्ती स्टाइल कर सकती हैं। कुर्ती न सिर्फ स्टाइलिश लुक पाने के लिए बेस्ट है, बल्कि इसमें आप कंफर्टेबल भी रहती हैं। अगर आप ऑफिस या कॉलेज जाने के दौरान कुर्ती स्टाइल करने का सोच रही हैं और न्यू लुक चाहती हैं, तो आप इस आर्टिकल में दिखाई गई कुर्ती स्टाइल कर सकती हैं।

प्रिंटेड कुर्ती

अगर आप अपने ऑफिस में अलग नजर आना चाहती हैं, तो आप इस तरह की खूबसूरत प्रिंटेड कुर्ती वियर कर सकती हैं। इस कुर्ती में आपका लुक सुंदर नजर आएगा और आप अलग भी नजर आएंगी। यह कुर्ती आप ऑनलाइन या ऑफलाइन इन दोनों जगहों से ले सकती हैं और ये आपको इन दोनों ही जगहों पर सस्ते दाम में मिल जाएंगी। इस कुर्ती को आप पेंट स्टाइल सलवार के साथ वियर कर सकती हैं। साथ ही, एक्सेसरीज में झुमके और फुटवियर में आप फ्लैट्स स्टाइल कर सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंटेड कुर्ती

अगर आप कॉलेज गोइंग गर्ल है और एक जैसे कपड़ें पहनकर बोर हो गया है, तो आप फ्लोरल प्रिंट कुर्ती का चुनाव कर सकती हैं। फ्लोरल प्रिंट कुर्ती काफी ट्रेंड में है और इस तरह की कुर्ती में आपका लुक अलग और सुंदर भी नजर आता है। इस कुर्ती को आप कई सारे डिजाइन ऑप्शन बाजार से सस्ते दाम में खरीद सकती हैं। इस तरह की कुर्ती में स्टाइलिश नजर आने के लिए आप लॉन्ग इयरिंग्स और फुटवियर में हील्स पहन सकती हैं।

बार-बार सिर पसीने से भीग जाता है तो ये नुस्खे आजमाएं

मौसम चाहे गर्मी हो या फिर बारिश का, पसीने और चिपचिपेपन से ज्यादातर लोग परेशान रहते हैं। दिक्कत तब आती है, जब पसीना आना रुकता ही नहीं है। शरीर पर आए पसीने को तो हम लोग पाउडर लगाकर रोक लेते हैं। उसकी बदबू दूर करने के लिए परफ्यूम इस्तेमाल कर लेते हैं, पर दिक्कत सामने आती है उन लोगों के जिनके स्कैल्प यानी कि सिर पर पसीना आता है। स्कैल्प पर पसीना आने पर आप सिर्फ बालों को धोकर इस परेशानी से निजात पा सकते हैं और हर दिन बाल धोना संभव नहीं है।

एलोवेरा जेल

यदि आपके घर में एलोवेरा का पौधा लगा है तो उसके इस्तेमाल से आप स्कैल्प का पसीना सुखा सकते हैं। इसके लिए बाल धोने से पहले अपने स्कैल्प पर अच्छी तरह से ताजा एलोवेरा जेल अप्लाई करें। 20 मिनट के बाद अपने बालों को धो लें और फिर असर देखें। एलोवेरा जेल में पाए जाने वाले एंटीबैक्टीरियल और कूलिंग तत्व पसीने को रोकते हैं और पसीने की बदबू को भी कम करते हैं।

नीम का पानी

यदि आपके घर के पास नीम का पेड़ लगा है तो इससे बेहतर विकल्प आपके लिए हो नहीं सकता। दरअसल, नीम एंटीसेप्टिक होता है, इसलिए इसके इस्तेमाल से स्कैल्प पूरी तरह से साफ भी होगा और पसीना भी थम जाएगा। इस्तेमाल के लिए सबसे पहले नीम की पत्तियों को धोकर उबाल लें। अब इस पानी को ठंडा करके इससे सिर धोएं। इससे आपको अवश्य ही राहत मिलेगी। हर घर में विनेगर तो होता ही है। ऐसे में आप इसके इस्तेमाल से भी स्कैल्प के पसीने को रोक सकते हैं। दरअसल, ये स्कैल्प का pH बैलेंस करता है।

कड़ा पायल डिजाइन आपके पैरों की खूबसूरती में लगा देंगे चार चांद

चेहरे की खूबसूरती को बरकरार रखने के साथ-साथ अधिकतर महिलाएं हाथ और पैर की खूबसूरती को भी बरकरार रखने के लिए कई प्रयास करती हैं। आप भी अपने पैरों को खूबसूरत बनाना चाहती हैं तो खूबसूरत कड़ा पायल डिजाइन आपके लिए है, जिन्हें देखते ही आपका उस पर दिल आ जाएगा।

विंटेज कड़ा एंकल ब्रेसलेट

ट्रेडिशनल से लेकर एथेनिक आउटफिट तक पायल हर तरह की ड्रेस और साड़ी के साथ आपके लुक को खास बनाने में बहुत मदद करती है। ऐसे में आप इस खूबसूरत विंटेज कड़ा एंकल ब्रेसलेट को ट्राई कर अपने पैरों की खूबसूरती को बढ़ा सकती है। इस तरह के पायल आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह मिल सकते हैं।

फूट कड़ा एंकल ब्रेसलेट

यही नहीं आप अगर डेली वियर में कड़ा पायल पहनना चाह रही है, तो आपके लिए यह खूबसूरत ऑक्सिडाइज फूट कड़ा एंकल ब्रेसलेट एक बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। इसे भी आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से

खरीद सकती हैं। डेली वेयर के अलावा आप इसे किसी भी फंक्शन में अपने ट्रेडिशनल या एथनिक आउटफिट के साथ भी शामिल कर सकती हैं।

कस्टमाइज्ड कड़ा पायल

अपने लुक को भीड़ से हटकर दिखाने के लिए और अपनी खूबसूरती में चार चांद लगाने के लिए आप इस खूबसूरत कस्टमाइज्ड कड़ा पायल को भी ट्राई कर सकती है। इसकी डिजाइन आपके लुक को स्टाइलिश बनाने के साथ-साथ आपके पैरों की खूबसूरती में चार चांद लगा देगी।

कार्नर न्यूज

ज्यातार लड़किए जल्दबाजी में कर देती हैं कुछ फैशन मिस्टेक

कॉर्पोरेट लुक को सबसे अलग और यूनिक बनाने की हसरत में कुछ गलतियों से बचें, बढ़ेगी रौनक

अपने कॉरपोरेट लुक को खास बनाने के लिए महिलाएं कई प्रयास करती हैं। वे अपने आउटफिट से लेकर मेकअप और एक्सेसरीज तक हर एक चीज परफेक्ट तरीके से डिसाइड करती हैं। ऐसे में अगर आप भी कॉरपोरेट लुक को खास बनाने के लिए काफी कोशिशें करती है, तो आपको कुछ ऐसी फैशन मिस्टेक से बचना होगा, जो अधिकतर लड़कियां कर देती है।

इन फैशन मिस्टेक को करने से बचे अगर आप भी अपने कॉर्पोरेट लुक को सबसे अलग और यूनिक बनाना चाहती हैं, तो कुछ गलतियों को करने से बचे। सबसे पहला और जरूरी आप हमेशा एक जैसे कपडे और एक ही कलर के कपडे पहनने के बजाय कुछ यूनिक और नया जरूर ट्राई करें। आप ना तो ज्यादा टाइट कपडे पहने और ना ही ज्यादा ढीले कपडे पहने। यही नहीं आप चाहें तो न्यूट्रल कलर्स के कपड़े भी शामिल कर सकती हैं।

ड्रेस के साथ फुटवियर का भी रखें ध्यान

कॉर्पोरेट माहौल में आपकी ड्रेसिंग

सेंस बहुत मायने रखती हैं। ऐसे में अगर आपने कपड़े अच्छे पहने हैं, लेकिन फुटवियर आपके कपड़ों से मेल नहीं खा रहा है, तो इससे भी आपका कॉर्पोरेट लुक ख़राब हो सकता है। अगर आप फॉर्मल ड्रेस पहन रही हैं, तो अपने फॉर्मल लुक के साथ आप फॉर्मल शूज हील्स या साफ और पॉलिश किए हुए लेदर बूट्स पहन सकती हैं।

खूबसूरत एक्सेसरीज का करें चुनाव

इसके अलावा जब भी आप ऑफिस में पहनने के लिए कपड़े चुने तो लाउड प्रिंट्स और चमकीले रंग के कपड़े पहनने से बचे। ऐसे कपडे भी आपके लुक को ख़राब कर सकते हैं। इसके अलावा आप अपने कॉर्पोरेट लुक को गॉर्जियस बनाने के लिए अपने आउटफिट के हिसाब से खूबसूरत एक्सेसरीज भी चुन सकती हैं। एक्सेसरीज का गलत चुनाव आपके लुक को ख़राब कर सकता है।

हैवी मेकअप करने से बचे

इसके अलावा आप हमेशा अपने स्किन टोन के हिसाब से ही मेकअप प्रोडक्ट का इस्तेमाल करें और ऑफिस में हैवी मेकअप करने के बजाय लाइट मेकअप करें। ऑफिस में अगर आप हैवी मेकअप कर के जाती हैं।

विधिक जागरूकता शिविर में न्यायधीश ने छात्राओं को कराया कानूनी प्रावधानों से अवगत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण थॉमस एक्का तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुश्री पायल पण्डा मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को पॉक्सो अपने माता-पिता, शिक्षक अथवा किसी विश्वसनीय व्यक्ति को तत्काल इसकी जानकारी पर न्यायाधीश श्री पण्डा ने आत्मरक्षा के दौरान किए गए उचित बचाव से संबंधित

शहर के नवापारा विद्यालय में हुआ आयोजन

अधिनियम के महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों की जानकारी सरल एवं सहज भाषा में प्रदान की। उन्होंने बच्चों को गुड टच एवं बैड टच की पहचान करने, किसी भी प्रकार की अनुचित घटना होने पर मौन न रहने तथा देने के लिए प्रेरित किया। न्यायाधीश ने कहा कि ऐसे अपराधों का विरोध न करने से अपराधियों का मनोबल बढ़ता है, जिसके कारण वे आगे और गंभीर अपराध करने का दुस्साहस करते हैं। इस अवसर कानूनी प्रावधानों की भी विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन, लक्ष्य निर्धारण, निरंतर परिश्रम एवं समर्पण के महत्व पर प्रेरक उद्बोधन दिया तथा अपने बचपन के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। न्यायाधीश ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पात्र नागरिकों को उपलब्ध कराई जाने वाली नि:शुल्क विधिक सहायता एवं अन्य सेवाओं की विस्तृत जानकारी भी दी।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने करियर, कानून एवं अपने अधिकारों से जुड़े अनेक प्रश्न पूछे, जिनका न्यायाधीश ने सरल उदाहरणों के माध्यम से संतोषजनक उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती किरण उपाध्याय, समस्त शिक्षकगण तथा पैरा लीगल वालंटियर्स सत्य नारायण एवं उमेश कुमार रजवाड़े उपस्थित रहे।

टोपनो के मार्गदर्शन में शा. कन्या हाई स्कूल एवं पूर्व माध्यमिक शाला नवापारा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों को कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें आत्मरक्षा एवं करियर निर्माण की दिशा में प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी हिमांशु

विधायक शकुंतला के प्रयासों से 24 करोड़ की लागत से बनेगी अंबिकापुर-प्रतापपुर मुख्य सड़क

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले की प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते के प्रयास का सार्थक परिणाम सामने आया है। वर्षों से बदहाल पड़ी अंबिकापुर प्रतापपुर मुख्य सड़क के मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण का बहुप्रतीक्षित कार्य अब धरातल पर उतरने जा रहा है। लगभग 42 किलोमीटर लंबी इस सड़क के निर्माण हेतु 24 58.78 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति राज्य शासन द्वारा पहले ही प्रदान की जा चुकी है। अब लोक निर्माण विभाग ने विधिवत कार्यादेश जारी कर निर्माण एजेंसी को कार्य प्रारंभ करने के निर्देश भी दे दिए हैं।

महान-3 कोयला खदान क्षेत्र से भारी वाहनों के लगातार संचालन से सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी थी। बरसात के दिनों में कीचड़ से सराबोर दुर्घटनाओं को आमंत्रण देती उक्त सड़क पर जान जोखिम में डालकर चलना लोगो की मजबूरी है। क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी इस समस्या को विधायक शकुंतला सिंह ने गंभीरता से लिया और लगातार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा लोक निर्माण विभाग के मंत्री से मुलाकात कर इस सड़क के लिए स्वीकृति दिलाने

का प्रयास किया। जिसके परिणाम स्वरूप छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग रायपुर द्वारा 7 नवंबर 2025 को इस सड़क हेतु 2458.78 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई। शासन ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य पूरी गुणवत्ता, पारदर्शिता और तकनीकी मानकों के अनुरूप कराया जाए तथा निर्माण सामग्री की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न हो।

लोक निर्माण विभाग संभाग अंबिकापुर के कार्यपालन अभियंता कार्यालय द्वारा चंद्रा कंस्ट्रक्शन को निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। बारिश समाप्त होते ही युद्धस्तर पर निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है।

विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते ने कहा कि क्षेत्र का विकास ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि यह सड़क केवल एक मार्ग नहीं बल्कि क्षेत्र की जीवनरेखा है, जहां से प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन होता है। उन्होंने महान-3 कोयला खदान क्षेत्र में संचालित एसईसीएल अधिकारियों से भी कई बार चर्चा कर सड़क की नियमित मरम्मत, सफाई और धूल नियंत्रण के लिए आवश्यक निर्देश दिए हैं।उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता ने उन्हें विकास के लिए चुना है और वे उसी विश्वास को निभाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास में अग्रवाल महिला मंडल ने किया पौधरोपण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नगर की अग्रणी समाज सेवी संस्था अग्रवाल महिला मंडल के द्वारा अग्रसेन वार्ड स्थित पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास में पौधरोपण किया गया।

इस संबंध में छात्रावास अधीक्षक उत्तम धीरही ने बताया कि अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती लता गोयल के नेतृत्व में छात्रावास परिसर में पौधरोपण किया गया और छात्रों को दैनिक उपयोग की सामग्री का वितरण किया गया।

इस अवसर पर अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती लता गोयल, मीरा अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, सपना अग्रवाल, सोनु अग्रवाल, रेखा अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल सहित अन्य सदस्य एवं छात्रावास के बच्चे उपस्थित रहे।

पीएम आवास के 22 हितग्राहियों की एसडीएम कोर्ट में हुई पेशी, निर्माण पूर्ण करने की अंतिम चेतावनी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राशि प्राप्त करने के बावजूद पीएम आवास निर्माण कार्य शुरू नहीं करने अथवा अधूरा छोड़ने वाले हितग्राहियों के विरुद्ध जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देश एवं जिपं सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले के मार्गदर्शन में एसडीएम श्रीमती शिवानी जायसवाल द्वारा न्यायालय में ऐसे हितग्राहियों की सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान जनपद सूरजपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत चंद्रपुर, नवगई, नेवरा, परी एवं पीढ़ा के 22 हितग्राही उपस्थित हुए। इन सभी हितग्राहियों को शासन से आवास निर्माण के लिए राशि प्राप्त हो चुकी है, लेकिन उन्होंने निर्धारित समय में निर्माण कार्य पूर्ण नहीं किया। सुनवाई के

दौरान एसडीएम श्रीमती शिवानी जायसवाल ने हितग्राहियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि शासन द्वारा प्रदान की गई आवास की राशि का उपयोग केवल मकान निर्माण के लिए ही किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि राशि का अन्य किसी कार्य में उपयोग करना नियमों के विरुद्ध है। एसडीएम ने सभी हितग्राहियों को अंतिम अवसर देते हुए निर्देशित किया कि वे अगली पेशी से पूर्व अपने आवास का निर्माण कार्य अनिवार्य रूप से पूर्ण करें तथा निर्मित आवास की अद्यतन फोटो न्यायालय में प्रस्तुत करें।

जिले के रामानुजनगर एसडीएम अजय मोडियम ने भी पीएम आवास हितग्राहियों की पेशी लगाकर अंतिम चेतावनी देते हुए निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए है। यदि इसके बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया तो संबंधित हितग्राहियों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नक्सली हिड़मा का महिमामंडन छ.ग. के शहीदों का अपमान, कांग्रेस विधायक अटल मांगे माफी-सत्यनारायण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सिंह ने कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव द्वारा दुर्दान्त और खूँखार नक्सली कमाण्डर हिड़मा का महिमामण्डन किए जाने पर कड़ा प्रतिकार किया है। उन्होंने इसे छत्तीसगढ़ की शांति, लोकतंत्र और बस्तर में शहादत देने वाले वीर जवानों व निर्दोष आदिवासियों का घोर अपमान बताया और कांग्रेस विधायक से इस शर्मनाक कृत्य के लिए जनता और शहीदों के परिवारों से बिना शर्त माफी की मांग की है। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सत्यनारायण सिंह ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यजनक और निंदनीय है कि कांग्रेस के एक जिम्मेदार विधायक उस नक्सली हिड़मा की तुलना महान विभूतियों से कर रहे हैं, जो झीरम घाटी हमले, ताड़मेटला और बीजापुर-सुकमा के अनगिनत नक्सली हमलों का मास्टरमाइण्ड रहा है। हिड़मा ने छत्तीसगढ़ की धरती को

हमारे वीर जवानों और निर्दोष आदिवासियों के खून से लाल किया है। ऐसे राष्ट्रविरोधी और नरभक्षी का महिमामण्डन करना कांग्रेस की विकृत और नक्सल-समर्थक सोच को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि आज जब भाजपा सरकार बस्तर में विकास पहुँचा रही है और नक्सलियों को बैकफुट पर धकेल रही है, तब कांग्रेस नेताओं की यह छटपटाहट और नक्सलियों के प्रति हमदर्दी शर्मनाक रूप से सामने आ रही है। उन्होंने कांग्रेस आलाकमान और प्रदेश नेतृत्व से सवाल किया है कि क्या वह अपने विधायक के इस देशविरोधी बयान से सहमत हैं। यदि नहीं, तो कांग्रेस ने अब तक अटल श्रीवास्तव पर कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों नहीं की? छत्तीसगढ़ की जनता नक्सलियों को मसीहा बताने वाले इस कृत्य को कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। बस्तर के जिन परिवारों ने नक्सली हिंसा में अपनों को खोया है, कांग्रेस विधायक का यह बयान उनके जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। यदि अटल श्रीवास्तव अविलम्ब और बिना शर्त सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगते हैं, तो भाजपा उनके इस कृत्य के खिलाफ सड़क से लेकर सदन तक उग्र प्रदर्शन करेगी।

प्रोजेक्ट सक्षम, सूरजपुर एवं कोरिया जिले की छात्रावास अधीक्षिकाओं की हुई दो दिवसीय कार्यशाला

बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता एवं निर्णय योग्यता विकसित करना उद्देश्य

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ जनजातीय एवं अनुसूचित जनजाति विकास विभाग तथा रूम टू रीड इंडिया की संयुक्त पहल प्रोजेक्ट सक्षम शिक्षा, आत्मविश्वास एवं समानता के अंतर्गत दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन यहां कन्या शिक्षा परिसर में किया गया। इस कार्यशाला में सूरजपुर एवं कोरिया जिले में संचालित प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावासों की 29 अधीक्षक एवं 8 मंडल संयोजक सहभागिता निभा रहे हैं। कार्यशाला का शुभारंभ सहायक आयुक्त घनश्याम सिंह, रूम टू रीड इंडिया के शैलेंद्र भारद्वाज एवं श्रीमती यामिनी साहू द्वारा किया गया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त श्री सिंह ने कहा कि किशोरावस्था में

बालिकाओं का विकास केवल शैक्षणिक उपलब्धियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता तथा जीवन कौशल का विकास भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि छात्रावास अधीक्षक बालिकाओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कार्यशाला रूम टू रीड इंडिया के श्री भारद्वाज ने परियोजना की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस तीन वर्षीय परियोजना का मुख्य उद्देश्य छात्रावासों में निवासरत कक्षा 6वीं से 10वीं तक अध्ययनरत बालिकाओं में जीवन कौशल एवं स्व-निर्माण की क्षमता जागृत कर उन्हें सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से बालिकाओं को न केवल शिक्षा के प्रति प्रेरित किया जाएगा, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर एवं आत्मविश्वासी नागरिक के रूप में गढ़ने का प्रयास भी किया जाएगा।

कार्यशाला में लैंगिक समानता, बालिका सशक्तिकरण एवं जीवन कौशल आधारित विभिन्न विषयों पर सारगर्भित चर्चा की जा रही है, ताकि प्रशिक्षण प्राप्त अधीक्षक एवं मंडल संयोजक इन मूल्यों को छात्रावास स्तर पर बालिकाओं तक प्रभावी ढंग से

आज से आयुष्मान कार्ड बनाने जिले में चलेगा महा अभियान, 18 तक लगेंगे विशेष शिविर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में आज से 18 जुलाई तक घर-घर आयुष्मान, हर घर आयुष्मान महा-अभियान का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देश एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. के.डी. पैकरा के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग, पंचायत विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों का सहयोग लिया जा रहा है। जिले में अब तक कुल 761093 आयुष्मान कार्ड एवं 13893 वय वंदन आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं, जबकि लगभग 31955 हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड एवं 8707 हितग्राहियों का वय वंदन कार्ड बनाया जाना शेष है, जिसे इस महा अभियान के दौरान पूर्ण किया जाएगा। आयुष्मान कार्ड से वंचित हितग्राहियों के कार्ड बनाने के लिए स्वास्थ्य अमले द्वारा घर-घर पहुंचकर तथा टोले-मोहल्लों,

पंचायत भवनों, स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में शिविर लगाकर कार्ड तैयार किए जाएंगे। इस विशेष अभियान में जिले के समस्त आयुष्मान मित्रों, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों, रोजगार सहायकों एवं सचिवों, ए. एन. एम. एन.आर.एल.एम. बैंक सखी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, मितानिनों तथा च्वाइस सेंटरों के वी.एल.ई. के माध्यम से छूटे हुए समस्त हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा।नि:शुल्क आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए हितग्राहियों को अपने साथ राशन कार्ड, जिसमें हितग्राही का नाम दर्ज होना आवश्यक है, आधार कार्ड एवं मोबाइल नंबर लेकर शिविर में पहुंचना होगा। महा-अभियान के अंतर्गत जिले के पात्र ए.पी.एल. परिवारों, जैसे शासकीय सेवा में कार्यरत कर्मचारियों एवं अन्य सेवाओं में कार्यरत लोगों का भी आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा।

आयुष्मान कार्ड बनवाने कलेक्टर ने की अपील

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने आयुष्मान कार्ड से वंचित समस्त हितग्राहियों से अपील की है कि जो हितग्राही अब तक अपना आयुष्मान कार्ड बनवाने से वंचित रह गए हैं, वे इस महा-अभियान के दौरान संबंधित शिविरों अथवा नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों में जाकर अपना एवं अपने परिवार के सदस्यों का आयुष्मान कार्ड तत्काल बनवा लें, ताकि किसी भी प्रकार की बीमारी की स्थिति में होने वाली आर्थिक क्षति से बचा जा सके। उन्होंने यह भी अपील की है कि अस्पताल आने पर हितग्राही अपना राशन कार्ड अथवा आधार कार्ड अवश्य साथ लेकर आएं। उल्लेखनीय है कि परिवार के प्रत्येक सदस्य का अलग-अलग आयुष्मान कार्ड बनाया जाता है तथा 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों का 5 लाख रुपए वाला वय वंदन आयुष्मान कार्ड बनाया जाता है।

30 डिसमिल भूमि कराई गई अतिक्रमण मुक्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देशन में जिले में शासकीय भूमि पर अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार

कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में विकासखंड बलरामपुर अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी श्री अभिषेक गुप्ता के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत अमडण्डा में राजस्व विभाग द्वारा शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया।

प्राप्त जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत अमडण्डा में निजी व्यक्ति द्वारा लगभग 30 डिसमिल शासकीय भूमि पर अवैध रूप से धान की फसल लगाकर कब्जा किया गया था। मामले की जानकारी मिलने पर राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया। कार्रवाई उपरांत उक्त शासकीय भूमि को ग्राम पंचायत आमडंडा के सरपंच को विधिवत सुपुर्द कर दिया गया है। प्रशासन द्वारा जिले में शासकीय भूमि की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए ऐसे मामलों में आगे भी नियमानुसार सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र०–/20(1)/2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती पुष्पा सोनी आ०/पति राजेन्द्र प्रसाद सोनी जाति, निवासी ब्रम्ह मंदिर रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला–देवीगंज रोड़, शीट नम्बर 3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1149/6, 1150/5, 1152/1 रकबा 314,394 वर्ग फीट व 0.02½ एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3. 2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 24.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांक 09.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र०–/20(1)/2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका राजेन्द्र प्रसाद सोनी आ०/पिता स्व० गणेश प्रसाद सोनी जाति निवासी ब्रम्ह मंदिर रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला–सत्तीपारा, ब्रम्ह रोड़, शीद शीट नम्बर–2, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 829/13, 830/37, 896/1, 897/1 रकबा 915, 3920, 1742, 435.6 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 24.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांक 09.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र०–/20(1)/2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती पुष्पा सोनी आ०/पति राजेन्द्र प्रसाद सोनी जाति, निवासी ब्रम्ह मंदिर रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला–देवीगंज रोड़, शीट नम्बर 8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2567/2, 2568/2, रकबा 435 व 435 वर्गफिट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3. 2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 24.07.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांक 09.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र०–/20(1)/2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती सरस्वती देवी आ०/पति गणेश ठाकुर व 01 अन्य जाति निवासी कबीरवार्ड, दर्रीपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला दर्रीपारा, शीट नम्बर–10 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3938, 3940 रकबा 0.008, 0.016 हे० भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 24/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 09/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र०–/20(1)/2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवे. दक/आवेदिका श्रीमती सरस्वती देवी आ०/पति स्व० बालगोविन्द ठाकुर जाति, निवासी कबीर वार्ड दर्रीपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला दर्रीपारा, शीट नम्बर–10 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4033/4 रकबा 0.033 हे० भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 24/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 09/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ.ग.
रा०प्र०क्र०–/20(1)/2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती संगीता ठाकुर आ०/पति संतोष ठाकुर जाति निवासी कबीर वार्ड दर्रीपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला दर्रीपारा, शीट नम्बर–10 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लांट नम्बर 3779/3, 3779/4, 3779/5, 3780/2, 3780/3 रकबा 0.004, 0.002, 0.019, 0.006, 0.001 हे० भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवे. दक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 24/07/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 09/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

बाइक की किश्त को लेकर ससुर का गला घोंटा, पत्नी ने भी दिया साथ

साक्ष्य मिटाने गोबर से लीप दिया खून को, बेटी-दामाद गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बतौली थाना अंतर्गत मंगलवार की शाम दामाद ने अपने ससुर की पहले तो बेदम पिटाई की, फिर गमछे से गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पिटाई के दौरान मृतक की बेटी ने भी अपने पति का साथ दिया। शव घर की परछी में पड़ा मिला, गले में गमछा लिपटा हुआ था। घटना से पूर्व मृतक, बाइक की किस्त जमा नहीं करने की बात को लेकर अपनी पत्नी से मारपीट किया था, और बेटी-दामाद से रुपये की मांग करते हुये विवाद कर रहा था। आवेश में आकर इन्होंने हत्या की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है।

जानकारी के मुताबिक, बतौली थाना क्षेत्र के बांसाझाल निवासी माईकल टोप्पो को 14 जुलाई की शाम करीब 04 बजे गांव के बालापानी का राजू कोरवा फोन करके बताया कि लोहर साय कोरवा की हत्या साफी से गला घोंटकर और जमीन में पटक-पटककर उसकी बेटी सोनकुंवारी और दामाद बंधन कोरवा कर दिये हैं। जब वह राजू कोरवा के साथ मौके पर गया तो लोहर साय, दामाद बंधन कोरवा के घर के परछी में मरा पड़ा था, खून को उसकी बेटी सोनकुंवारी गोबर से लीप-पोत दी थी। मृतक की पुत्री सोन कुंवारी तथा बंधन से पूछने पर इन्होंने बताया कि घटना दिनांक को सुबह लोहर साय अपनी पत्नी रामपति से मोटरसायकल का किस्त नहीं पटाने की बात पर मारपीट किया था, और बेटी-दामाद के घर आकर भी मोटरसायकल का किस्त पटाने के लिए रुपये पैसे की मांग कर झगड़ा विवाद कर रहा था। इसके बाद दोनों पति-पत्नी मिलकर लोहर साय के गले में पहने गमछा का फंदा बना कर गला घोंटकर जमीन में पटक कर मारपीट कर हत्या कर दिये, और जमीन में गिरे खून को गोबर से लीप दिये थे। रिपोर्ट पर थाना बतौली में धारा 103(1), 238, 3(5) बी.एन.एस. का अपराध दर्ज करके पुलिस ने विवेचना में लिया था।

इसी क्रम में थाना बतौली पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम कराया। मौक़े का निरीक्षण करने के दौरान जमीन में मृतक के गिरे खून को लीपकर साक्ष्य विलोपित करना पाया गया। पोस्टमार्टम के बाद मृत्यु हत्यात्मक प्रवृति का होना चिकित्सक ने बताया था, जिस पर पुलिस ने आरोपियों बंधन कोरवा पिता स्व. नधिया कोरवा 40 वर्ष और सोनकुंवारी पति बंधन कोरवा 35 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया। इन्होंने मृतक लोहार साय के द्वारा घटना दिनांक को गाड़ी का किश्त पटाने के लिए रुपये पैसे की मांग करते हुए लड़ाई झगड़ा करना बताया है, आवेश में आकर इन्होंने लोहार साय के गले में पहने हुए गमछा से गला घोंटकर और जमीन में पटककर मारपीट करते हुये हत्या कर दी। आरोपियों को गिरफ्तार करके पुलिस ने न्यायालय के समक्ष पेश किया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी बतौली निरीक्षक विवेक सेंगर, सहायक उप निरीक्षक अरुण गुप्ता, महिला आरक्षक किरण तांडे, आरक्षक विकास एक्का, राजेश खलखो, जोगी बड़ा, रवि सिंह, सैहुन सिंह, जितेंद्र सक्रिय रहे।

भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा आज, तैयारियां पूरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भगवान श्री जगन्नाथ के वार्षिक रथयात्रा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। मंदिर के पुजारी और मंदिर व्यवस्थापक ने रथयात्रा की तैयारियों और कार्यक्रम की जानकारी साझा करते हुये अधिकाधिक संख्या में श्रद्धालुओं से शामिल होने की अपील की है। जगन्नाथ मंदिर से निकलने वाली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा को लेकर मंदिर परिसर की विशेष सजावट की गई है और रथ को भी पारंपरिक तरीके से तैयार किया गया है। रथयात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा नगर भ्रमण पर निकलेंगे। मंदिर के पुजारी ने बताया कि रथयात्रा सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। हर वर्ष की तरह इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। रथयात्रा के दौरान भजन-कीर्तन, जयघोष और धार्मिक उत्साह का माहौल देखने को मिलेगा। मंदिर समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अनुशासन बनाए रखते हुए रथयात्रा में भाग लेने की अपील की है।

तहसील कार्यालय के अर्जी लेखक के साथ मारपीट

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। तहसील कार्यालय दरिमा में अर्जी लेखक के साथ गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दो लोगों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। मामला मकान निर्माण कराने और इसके नाम पर लिये गये धनराशि से जुड़ा है। शहर के नमनाकला निवासी अर्जी लेखक विवेक सोनी पिता नन्दू प्रसाद सोनी 30 वर्ष ने पुलिस को बताया है कि सुमित अग्रवाल व पंकज गुप्ता ने स्वयं को अनुभवी एवं लाइसेंसधारी ठेकेदार बताते हुए उनका मकान बनाने का आश्वासन दिया था। इनके विश्वास में आकर उन्होंने फोन पे के माध्यम से 19 मई को सुमित अग्रवाल को 20 हजार रुपये, 23 मई को पंकज गुप्ता को 15 हजार एवं 5 हजार रुपये 30 मई को प्रदान किया। इसके बाद इन्होंने नाम मात्र का काम कराया और बिना किसी कारण के काम बंद कर दिया। कई बार बोलने एवं फोन करने पर भी इन्होंने कोई जवाब नहीं दिया न ही रकम वापस किया। इससे परेशान होकर वह 09 जुलाई की सुबह 10 बजे सुमित अग्रवाल के कार्यस्थल काबरा टाइल्स दुकान के मालिक से इसके द्वारा किये गए कृत्य के बारे में बताया। इसे लेकर 10 जुलाई को 11 बजे के लगभग पंकज गुप्ता ने फोन करके कहा कि सुमित अग्रवाल उनके घर में लेन-देन का हिसाब करने आ रहे हैं। इसके बाद सुबह करीब 11.30 बजे ये पहुंचे और गालीगलौज करते हुये दुकान मालिक से हुई बात का जिक्र करके मारपीट करने लगे। जब वह खुद को बचाकर किनारे जाने की कोशिश किया तो सुमित अग्रवाल घर में रखे फावड़ा को उठाकर मारने के लिये दौड़ाने लगा और पैसा खर्च होने की बात कहते हुये कहीं शिकायत करने पर जान से मार देने और किसी केस में फंसाने की धमकी दी। पुलिस आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज करके अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

न्यायालय परिसर से 12 अग्निशामक यंत्रों की चोरी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में सुरक्षा की दृष्टि से अलग-अलग स्थान पर स्थापित किये गये 12 नग अग्निशामक यंत्र की चोरी का मामला प्रकाश में आया है। इसका पता निरीक्षण के दौरान चला। रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात लोगों के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया है, और वारदात की जांच कर रही है। जिला न्यायालय में पदस्थ नाजिर सुरेश प्रसाद कोराम ने पुलिस को बताया है कि न्यायालय परिसर अंबिकापुर में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुये 53 नग अग्निशामक यंत्र स्थापित किये गये हैं। इसका निरीक्षण और सत्यापन 16 अप्रैल 2026 को प्रभारी अधिकारी ने कराया था। उस समय कुल 53 अग्निशामक यंत्र सही व मौजूद थे। हाल में 8 जुलाई को पुनः निरीक्षण करने पर 12 नग अग्निशामक यंत्र का नहीं होना पाया गया। इसे 16 अप्रैल को 11 बजे से 8 जुलाई के 5.30 बजे के बीच चोरी होने की संभावना व्यक्त की गई है। इसकी अनुमानित कीमत लगाभग 18 हजार रुपये बताई गई है। कोतवाली थाना पुलिस ने मामले में धारा 331(4), 305 (ए) बीएनएस का मामला दर्ज कर लिया है।

गाली देने और तेज बात करने से मना करने पर युवक को चाकू मारा

पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। बौरीपारा निवासी एक युवक के गले और चेहरे में चाकू से प्राणघातक हमला करने के मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने हत्या का प्रयास करने का मामला दर्ज करके नाबालिग आरोपी को गिरफ्तार करके बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया है। डांस क्लास के संचालक दीपक सोनी पिता हरजीत सोनी 27 वर्ष, निवासी पुलिस लाइन बौरीपारा ने पुलिस को बताया है कि, 14 जुलाई को रात करीब 10 बजे उन्हें पिता ने फोन करके जल्दी मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल आने के लिये कहा और बताया कि उसके भाई सागर सोनी को धारदार हथियार से गला में हमला कर दिया है। इसके बाद वे अस्पताल पहुंचे और घायल भाई से पूछताछ किये तो वह बताया कि कम्पनी के कॉल पर बात करते समय अपचारी बालक शराब के नशे में जोर-जोर से गाली-गलौज करते हुये अपशब्दों का प्रयोग कर रहा था। फोन में कम्पनी के सर से बात करने की बात कहते हुये जब वह उसे तेज आवाज में बोलने और गालीगलौज करने से मना किया, तो वह अचानक पीछे से आकर सिर को पकड़ा और चाकू से गले में हमला कर दिया। एक बार वार करने के बाद दुबारा जब वह जानलेवा हमले की कोशिश किया तो मित्र करन व अजीज ने उनके भाई सागर को बचाया, यह वार चेहरे में लगा, जिसमें वह जख्मी हो गया था। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुये अपचारी बालक को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में पुलिस ने आरोपित के विरूद्ध हत्या की कोशिश का मामला दर्ज कर लिया है।

संप्रेक्षण गृह का दरवाजा तोड़कर 14 अपचारी निकले, 13 भागे, 05 को पुलिस बरामद की

21 दिन पहले भागे मास्टर माइंड ने वापसी के बाद सुरक्षा व्यवस्था को पुनः दी चुनौती

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के कन्या परिसर रोड बिशुनपुर स्थित बाल संप्रेक्षण गृह से मंगलवार, 14 जुलाई की शाम 13 अपचारी बालक पुराने दरवाजे को तोड़कर फरार हो गए। 21 दिन के अंतराल में बाल गृह से बच्चों के भागने की यह दूसरी घटना है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए इनमें से 5 बालकों को बरामद कर लिया है, जबकि 8 बालकों की तलाश जारी है। इसके पहले यहां से 11 अपचारी बालक भागे थे। भागने वालों में मास्टर माइंड भी शामिल है, जिसने बाल संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देने का काम किया है। बाल संप्रेक्षण गृह प्रबंधन की ओर से इसकी सूचना गांधीनगर थाने में दी गई थी। इसके बाद हरकत में आई पुलिस ने 13 में से 5 अपचारी बालकों को बारमद कर लिया है। इनमें से 2 कोरिया जिले के चरचा चले गये थे, जबकि 3 बालकों को अलग-अलग स्थान से बरामद किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, 14 जुलाई की रात करीब 8 बजे अंबिकापुर के बिशुनपुर स्थित बाल संप्रेक्षण गृह से 14 अपचारी बालक पुराने दरवाजे को तोड़कर बाहर परिसर में निकल गये। इनमें से एक को तो पकड़ लिया गया, लेकिन अन्य 13 दीवार फांदकर भागने में सफल हो गये। सूचना पर परिवीक्षा अधिकारी समेत गांधीनगर पुलिस मौके पर पहुंचे और जांच शुरु की। पता चला कि अपचारी बालकों में शामिल मास्टर माइंड बीते 23 जून को भी बाल संप्रेक्षण गृह से 10 अपचारी बालकों के साथ फरार हुआ था, हालांकि पुलिस टीम उसे ढूंढने में सफल हो गई थी। पुलिस ने समाचार लिखे जाने तक 5 अपचारी बालकों को बरामद कर लिया है, जबकि 8 की तलाश जारी है। पुलिस रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड समेत अन्य संभावित जगहों पर दबिश दे रही है। वहीं इनके स्वजन से संपर्क करके बालकों के बारे में पता चलने पर सूचना देने कहा है। घटना को देखते हुये जिला व पुलिस प्रशासन को एहतियात बतौर यहां पुख्ता व्यवस्था करने की जरूरत है। बिलासपुर के बाल संप्रेक्षण गृह की घटना से भी सबक लेने की जरूरत है। फरार बच्चों में सरगुजा, बलरामपुर और कोरिया के बालक हैं।

पहले तोड़ा खिड़की, अब दरवाजा

अंबिकापुर बाल संप्रेक्षण गृह से 23 जून को 11 अपचारी बालक फरार हुये थे। वारदात को खिड़की तोड़कर अंजाम दिया गया था। इनमें से 9 को पुलिस ने पकड़ा, इनमें कुछ खुद लौट गये थे। घटना के बाद कलेक्टर व एसएसपी ने संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण किया था। इस दौरान यह बात सामने आई थी कि यहां के खिड़की-दरवाजे पुराने व जर्जर हालत में हैं। इसे देखकर कलेक्टर ने व्यवस्था में बदलाव के निर्देश दिए थे। इधर लचर कार्यप्रणाली की वजह से सुरक्षा की अनदेखी हुई और 21 दिन में दोबारा अपचारी बालकों ने घटना को अंजाम दिया।

नगर सैनिकों के पदस्थापना का मिला था आश्वासन

बाल संप्रेक्षण गृह के अधीक्षक 2 सप्ताह के लिए छुट्टी पर हैं, ऐसे में परिवीक्षा अधिकारी शमा नूरी के पास यहां का प्रशासनिक प्रभार है। उन्होंने बताया कि अपने साथ 12 अन्य अपचारी बालकों को भगाने में मास्टर माइंड अपचारी का हाथ है। वह 3 पुराने तथा 10 नये अपचारी बच्चों को भगाया है। उन्होंने बताया कि बाल संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा के लिहाज से 23 जून की घटना के बाद एसएसपी से मिलकर नगर सैनिकों को यहां पदस्थ करने की मांग की गई थी, इस पर आश्वासन मिला था। वहीं पुराने, जर्जर खिड़की-दरवाजों की मरम्मत और बदलने का काम चल रहा है, इसी बीच यह घटना हो गई।

मार्बल टाइल्स उतार रहे एक मजदूर का पैर कटा, 2 अन्य को गंभीर चोटें आई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के विजय मार्ग तिराहा, चर्च रोड केदारपुर में स्थित एक शोरूम में ट्रक से मार्बल टाइल्स उतारते समय मजदूर खतरे में पड़ गये। एक मजदूर के पैर का काफी हिस्सा कट गया, दो अन्य घायलों को भी गंभीर चोटें आई है। घायलों को ऑटो व अन्य साधनों से मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल लाया गया, यहां इनका उपचार चल रहा है। जानकारी के मुताबिक, शो रूम में मंगलवार की रात ट्रक में मार्बल आया था। बुधवार को शोरूम के सामने ट्रक लगाकर मजदूरों के माध्यम से मार्बल पत्थर उतरवाया जा रहा था। इसी दौरान सुरक्षा का ध्यान नहीं रखने से मार्बल पत्थर की चपेट में शिवमंगल राम पैकरा 40 वर्ष, तिलकनाथ पैकरा उर्फ छोटू 22 वर्ष, दोनों निवासी ग्राम सल्याडीह, बतौली और ग्राम कुड़केल निवासी विजय 22 वर्ष आ गये। घटना में शिवमंगल का पैर पंजा के पास से बुरी तरह से जख्मी हो गया। इसे ऑटो से गंभीर स्थिति में मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल लाया गया। आपातकालीन चिकित्सा परिसर में मौजूद चिकित्सक ने स्थिति गंभीर देखते हुये उसका उपचार शुरू किया। घटना में तिलकनाथ को भी गंभीर चोटें आई हैं, इनका उपचार चल रहा है।

निजी फर्म ने बढ़ाया प्रतिभाओं का हौसला, जिले के दो मेधावी युवाओं को भेंट किया लैपटॉप

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुये जिले में मां कुदरगढ़ी ट्रस्ट के द्वारा जिले के टॉपर छात्र लकी गुप्ता तथा संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी कर रही महिमा प्रजापति को अध्ययन के लिए लैपटॉप प्रदान किया गया। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बलरामपुर के छात्र लकी गुप्ता ने 12वीं बोर्ड परीक्षा में अपनी शैक्षणिक उपलब्धियों से जिले का नाम रोशन किया है और महिमा प्रजापति सीमित संसाधनों के बावजूद यूपीएससी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा की तैयारी कर रही हैं। डिजिटल शिक्षा और ऑनलाइन अध्ययन की आवश्यकता को देखते हुए निजी फर्म ने दोनों प्रतिभाओं को सहयोग प्रदान किया। लैपटॉप प्राप्त करने के बाद लकी गुप्ता एवं महिमा प्रजापति ने समय समय पर किए गए सहयोग के लिए कलेक्टर तथा सहयोग करने वाले निजी फर्म के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह सहयोग उनकी पढ़ाई और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने कहा कि, समाज के सक्षम व्यक्तियों एवं निजी संस्थानों द्वारा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को इस प्रकार का सहयोग प्रदान करना प्रेरणादायी पहल है। इससे न केवल विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई बेहतर ढंग से जारी रखने में मदद मिलेगी, बल्कि अन्य युवाओं को भी अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरणा मिलेगी।

जहरीले दवा का सेवन किये ग्रामीण की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जहरीले दवा का सेवन किये ग्रामीण की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक रामसुंदर पोर्ते पिता स्व. जानसाय गोड़ 45 वर्ष, बलरामपुर जिला के रघुनाथनगर थाना अंतर्गत ग्राम पंडरी का रहने वाला था। 13 जुलाई को अत्यधिक शराब सेवन करने के बाद वह घर के परछी में खाट लगाकर सो गया, और खाना नहीं खाया था। सुबह उल्टी करते देखकर पत्नी पूछताछ की तो उसने चूहामार दवा का सेवन करना बताया। स्वजन उसे वाड्रफनगर स्वास्थ्य केन्द्र ले गये, यहां से प्राथमिक उपचार के बाद रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे थे, यहां मंगलवार की रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम करके मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

विवाहिता की मौत के मामले में पति, सास-ससुर व ननद के विरूद्ध दहेज हत्या का केस दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिला के कमलेश्वरपुर थाना अंतर्गत ग्राम कुनिया में विवाहिता की मौत के मामले में पुलिस ने पति, सास, ससुर और ननद के विरूद्ध दहेज हत्या सहित अन्य धारा के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। मृतिका के पिता संजय यादव पिता गंगाप्रसाद यादव ने पुलिस को बताया है कि उनकी पुत्री मिनी यादव का विवाह वर्ष 2023 में अनोज यादव पिता गोवर्धन यादव निवासी ग्राम कुनिया के साथ हुआ था। शादी के कुछ समय बाद से ही उनकी लड़की को पति, ससुर, सास भुनेशरी यादव और ननद के द्वारा दहेज में गाड़ी, सोना, नकदी लाने के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। इसे कई बार जान से मारने की धमकी दी गई। पैसा नहीं होने के कारण उन्होंने अपना 50 डिसिमिल जमीन कार नहीं दे पाने के कारण दिया था, इसके बाद भी लड़की के ससुराल वाले उसे प्रताड़ित करना बंद नहीं किए, और 11 जुलाई को उसकी संदिग्ध हाल में मृत्यु हो गई। मृतिका के पिता ने घटना की गहन जांच करके आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है। मामले में पुलिस ने पति अनोज, मृतिका के ससुर गोवर्धन, सास भुनेशरी, ननद के खिलाफ दहेज हत्या एवं सहित अन्य धारा के तहत अपराध दर्ज किया है।

स्कूल बसों में 23 जुलाई तक सीसीटीवी, जीपीएस व पैनिक बटन लगाना अनिवार्य

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि सार्वजनिक सेवा एवं स्कूल बसों में सी.सी.टी.वी. कैमरा, वीएलटीडी ट्रैकिंग डिवाईस (जीपीएस) एवं आपातकालीन पैनिक बटन लगाया जाना अनिवार्य किया गया है। कार्यालय परिवहन आयुक्त द्वारा पत्र के माध्यम से आम सूचना जारी की गई है, जिसमें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी नोटीफिकेशन के परिपालन में 29 फरवरी 2024 से पूर्व पंजीकृत पुराने वाहनों में सी.सी.टी.वी. कैमरा, ट्रैकिंग डिवाइस एवं पैनिक बटन लगाया जाना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने जिले के सर्व अनुदान प्राप्त एवं अशासकीय विद्यालयों को पत्र जारी कर अनिवार्य रूप से इस कार्य को पूर्ण करने निर्देशित किया है। पत्र में कहा गया है कि स्कूल बसों में 23 जुलाई तक सी.सी.टी.वी. कैमरा, वीएलटीडी ट्रैकिंग डिवाइस (जीपीएस) एवं आपातकालीन पैनिक बटन लगाए जाने की कार्रवाई पूर्ण करते हुए निर्धारित प्रपत्र में जानकारी एवं प्रमाण पत्र कार्यालय में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर